डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. NO. RAJHIN/2006/16735 राजस्थान एवं केन्द्र सरकार से विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

रॉयल पत्रिका मंगवाने के लिए संपर्क करें - 9799559096 0141-4982834

रॉयल पत्रिका

सरकारी नौकरियों की जानकारी के लिए पढ़ें पृष्ठ 5

वर्ष : 20 | अंक : 11 | पेज: 08 | जयपुर, सोमवार, 14 अप्रैल से 20 अप्रैल 2025 | साप्ताहिक | मूल्य: 5 रुपए

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के बनाए संविधान के कारण दलित, पिछड़े और गरीब देश की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं

बाबा साहब के बनाए संविधान के कारण ही वर्तमान में देश की राष्ट्रपति दलित, प्रधानमंत्री ओबीसी (पिछड़ा वर्ग), कई राज्यों के मुख्यमंत्री दलित, पिछड़ा वर्ग से बन सके हैं। राजनीति से संकेत मिल रहे हैं कि आने वाला भारत दलित, पिछड़े, आदिवासियों के वर्चस्व वाला होगा।

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 14 अप्रैल को जयंती मनाई जा रही है। देश में सभी राजनीतिक दल और उनके नेता डॉ. भीमराव आंबेडकर को याद कर रहे हैं। देश का कोई भी राजनीतिक दल हो, उनकी कैसी भी विचारधारा हो लेकिन देश के संविधान निर्माता और देश के प्रथम कानून मंत्री महामानव डॉ. आंबेडकर और दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को नजर अंदाज नहीं कर सकते हैं। देश में बाबा साहब के बनाए गए संविधान के कारण ही सवर्ण वर्ग को दलितो, पिछड़ों और आदिवासियों के साथ छुआछूत छोड़नी पड़ी है एवं जो भी देश में छुआछूत बची है वह भी छोड़नी पड़ेगी।

बाबा साहब के संविधान के कारण ही देश में शिक्षा, समानता एवं मानवता का शासन कायम होने की और अग्रसर है। बाबा साहब के संविधान के द्वारा दिए गए समानता के अधिकार के कारण वर्तमान में भारत देश की राष्ट्रपति एक दलित महिला है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछड़े वर्ग से। देश का कोई भी राजनीतिक दल, सामाजिक संस्था और आर्थिक ग्रुप देश के दलितों, पिछड़ों एवं आदिवासियों को नजर अंदाज करने की स्थिति में नहीं है। भविष्य के भारत में दलितों पिछड़ों और आदिवासियों का शासन और प्रशासन में बोलबाला रहने वाला है। स्वतंत्रता के दशकों तक राज्यों के मुख्यमंत्री, मंत्री, केंद्र के मंत्री, देश का प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति उच्च वर्ग का है बनता था।

लेकिन जैसे-जैसे बाबा साहब के बनाए संविधान ने चमत्कार दिखाना शुरू किया तो स्थिति बदलती गयी। स्थिति बदलने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। एक दिन आने वाला है कि देश का शासन पूरी तरह दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के हाथों में रहेगा। आज बाबा साहब के बताए रास्ते पर चलने वाले करोड़ों की संख्या में मौजूद है। बाबा साहब की शिक्षाएं देश के बहुसंख्यकों को तेजी से प्रभावित कर रही है।

बाबा साहब का जन्म 14 अप्रैल 1891 में हुआ था

बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। उनका परिवार आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के अंबाडावे (मंडनगढ़ तालुका) शहर से मराठी पृष्ठभूमि का था। अम्बेडकर का जन्म महार (दलित) जाति में हुआ था, जिनको अछूत माना जाता था और सामाजिक-आर्थिक भेदभाव किया जाता था। अम्बेडकर के पूर्वजों ने लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के लिए काम किया था, और उनके पिता महू छावनी में ब्रिटिश भारतीय सेना में कार्यरत थे। रामजी सकपाल 1894 में सेवानिवृत्त हुए और दो साल बाद परिवार सतारा चला गया। उसके बाद उनकी मौसी ने उनकी देखभाल की। रामजी सकपाल परिवार के साथ मुंबई चले आये। अप्रैल 1906 में, जब भीमराव लगभग 15 वर्ष आयु के थे, तो नौ साल की लड़की रमाबाई से उनकी शादी कराई गई थी। तब वे पांचवी अंग्रेजी कक्षा पढ़ रहे थे।

एक भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिक नेता थे, जिन्होंने संविधान सभा की बहसों से भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति का नेतृत्व किया, पहली कैबिनेट में कानून और न्याय मंत्री के रूप में कार्य किया।

भीमराव रामजी अम्बेडकर बॉम्बे विश्वविद्यालय के एलफिंस्टन कॉलेज से स्नातक करने के बाद, कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र का अध्ययन किया। इसके बाद उन्हें 1927 और 1923 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और 1920 के दशक में किसी भी संस्थान में ऐसा करने वाले कुछ भारतीय छात्रों में से एक थे। उन्होंने ग्रेज़ इन, लंदन में कानून का प्रशिक्षण भी लिया।

अपने शुरुआती करियर में, वह एक अर्थशास्त्री, प्रोफेसर और वकील थे। 1990 में, भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न, अम्बेडकर को मरणोपरांत प्रदान किया गया।

बाबा साहब ने देश ही नहीं, दुनिया को दिखाई राह: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- डॉ. भीमराव अम्बेडकर का 134वां जयंती समारोह

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देश ही नहीं, पूरी दुनिया को राह दिखाई है। बाबा साहब ने अन्तिम छोर पर बैठे व्यक्ति के उत्थान का जो सपना देखा था, उसे पूरा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ जुटी हुई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने चार जातियों युवा, महिला, किसान और मजदूर के सशक्तीकरण के लिए दूरगामी कदम उठाए हैं। शर्मा सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर का संविधान निर्माण में अतुलनीय योगदान रहा है। उन्होंने सबसे बड़ा संविधान देकर भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश बनाया। भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने पीड़ित, शोषित, वंचित और उपेक्षित लोगों के लिए भेद-भाव रहित समाज का मार्ग दिखाया है

अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों के लिए बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन गांवों में 50 प्रतिशत से अधिक अनुसूचित जाति की आबादी है, वहां बाबा साहब अम्बेडकर संबल योजना शुरू की जा रही है। इस योजना के माध्यम से अनुसूचित जाति बाहुल्य गांवों में आधारभूत संरचना एवं विकास के कार्य सुनिश्चित हो सकेंगे। इसके लिए 250 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवपीढ़ी को डॉ. साहब के योगदान से परिचित कराने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय किए। प्रधानमंत्री ने बाबा साहब के जीवन से जुड़े पांच महत्वपूर्ण स्थानों जन्म भूमि (महू), दीक्षा भूमि (नागपुर),

शेष पृष्ठ 2 पर ...

आगरा में करणी सेना और दलितों में टकराव होने से बचा, राहत मिली

- आगरा दलितों का गढ़ माना जाता है और उनकी आर्थिक, सामाजिक एवं संघर्ष करने की स्थिति काफी मजबूत मानी जाती है। दूसरी तरफ करणी सेना में राजपूत समाज के लोगों की बहुसंख्या है, जिसको ऐतिहासिक लड़ाकू माना जाता है।

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उत्तर प्रदेश की ताज नगरी आगरा में करणी सेना का समाजवादी पार्टी सांसद रामजीलाल सुमन के खिलाफ प्रदर्शन ने देश को गंभीरता से सोचने पर मजबूर कर दिया। खबरों के अनुसार करीब एक लाख राजपूतों ने करणी सेना के नेतृत्व में हाथों में डंडे, तलवार एवं अन्य हथियार लेकर आगरा स्थित सांसद रामजीलाल सुमन के मकान की ओर जाने की कोशिश की। एक बार तो करणी सेना के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन को एकत्रित तैनात पुलिस बल को भी घेरने की कोशिश की। लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार के पुलिस अधिकारियों की सूझबूझ एवं कड़े सुरक्षा इंतजाम के चलते खतरा टल गया और करणी सेना को सांसद रामजीलाल सुमन के मकान एवं कार्यकर्ताओं को नुकसान नहीं पंहुचाने दिया। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री हैं और जाति से राजपूत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की करणी सेना और राजपूत राजा राणा सांगा के प्रति सहानुभूति है इसलिए करणी सेना को कानून का खुला उल्लंघन करने पर भी कोई बड़ी परेशानी नहीं हो पाई।

आगरा में दलित मजबूत स्थिति में

उत्तर प्रदेश के आगरा में दलित समुदाय काफी मजबूत स्थिति में है। आर्थिक और सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से भी अच्छी और जागरूक स्थित है। आगरा के दलितों का जाति संघर्ष का एक बड़ा इतिहास है। आगरा के दलित लड़ाई झगड़े एवं संघर्ष के लिए पूरे भारत में पहिचाने जाते हैं। आगरा में दलितों का मुसलमानों एवं जाटों, ब्राह्मणो, वैश्यों से कई बार संघर्ष हुआ है और आगरा शहर में कर्फ्यू जैसी स्थिति पैदा हुई है। आगरा के दलित उस क्षेत्र के दलितों के प्रेरणादायक हैं उनको कोई भी वर्ग आसानी से दबा और झुका नहीं सकता है। इसलिए सांसद रामजीलाल सुमन और समाजवादी पार्टी के कई कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर कहते पाए गए कि करणी सेना और दलित और पिछड़ों के बीच से पुलिस हटा ली जाए, हम अपनी सुरक्षा खुद कर लेंगे।

दलित और करणी सेना का टकराव रुकना देशहित में है

देश में 17% दलित हैं और किसी भी राजनीतिक पार्टी को सत्ता में लाने और बाहर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। दलितों में शिक्षा, जागरूकता एवं सामाजिक परिवर्तन तेजी से आया है और आ रहा है। दलित अब सरकार में उच्च पदों तक सीमित है। ऐसी स्थिति में दलितों को कमजोर समझना भारी भूल होगी। करणी सेना का विरोध देश के दलितों को एक मंच पर ला सकता है और पिछड़ों का भी उनको साथ मिल सकता है। जैसे समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि हमारी पार्टी के किसी भी सांसद कार्यकर्ता का असम्मान सहन नहीं किया जाएगा। वैसे भी दलितों के वोट 2014 के बाद भाजपा को बड़ी तादाद में मिल रहे हैं। दलितों के साथ कोई भी बड़ी हरकत भाजपा के लिए नुकसानदायक हो सकती है।

रामजीलाल सुमन की टिप्पणी पर न्यायालय की शरण लेनी चाहिए करणी सेना को

संसद में समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन ने राजपूत राजा राणा सांगा पर टिप्पणी की, जिस पर देशभर के राजपूत एवं भाजपा के लोग नाराज हैं और सांसद से माफी मांगने एवं सांसद पद से बर्खास्त करने की मांग कर रहे हैं। करणी सेना के बैनर तले लाखों लोगों का आगरा में विरोध प्रदर्शन करना देश की बड़ी घटना है। यह घटना देश में वर्ग संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। किसी भी देश के लिए वर्ग संघर्ष हमेशा ही नुकसानदायक होता है। देश आर्थिक रूप से पिछड़ जाता है। देश में पहले से ही थोड़ा बहुत सांप्रदायिक तनाव बना हुआ है। अब वर्ग संघर्ष और जातिवाद देश के लिए हानिकारक ही रहेगा। वैसे ही दुनिया में बड़ी उथल-पुथल चल रही है। छोटे-छोटे देश ड्रोन, मिसाइल, जहाज बेचकर पैसा कमा रहे हैं, लेकिन भारत में जाति वर्ग और धार्मिक उन्माद बढ़ रहा है जो देश के विकास में रुकावट है।

रूह अफ़ज़ा और शरबत जिहाद !

गर्मियों की तेज़ धूप में जब प्यास से गला सूखता है, तब अक्सर एक ही नाम जुबान पर आता है – रूह अफजा। यह गुलाबी लाल रंग का मीठा और ठंडक देने वाला शरबत केवल एक पेय नहीं, बल्कि भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के लाखों परिवारों की यादों और परंपराओं से जुड़ा हुआ एक हिस्सा बन चुका है। इसकी कहानी सिर्फ स्वाद और ठंडक की नहीं, बल्कि इतिहास, बंटवारे, विरासत और एकता की भी है।

1907 में दिल्ली में भीषण गर्मी से लोग परेशान रहने लगे थे। उस वक्त कई लोग स्ट्रोक, डायरिया और डिहाइड्रेशन के चलते दम तोड़ रहे थे। जब यूनानी हर्बल चिकित्सा और हमदर्द दवाखाना के संस्थापक हकीम हाफिज अब्दुल मजीद ने इस शानदार शरबत का इजाद किया। गर्मी की वजह से बीमार पड़ रहे लोगों को हकीम

अब्दुल मजीद रूह अफ़ज़ा की खुराक देने लगे। लू और गर्मी से शरीर को बचाने में रूह अफ़ज़ा बेहद शानदार साबित हुआ। उस दौर में दिल्ली की गर्मी से लोगों को राहत देने के लिए उन्होंने जड़ी-बूटियों, फलों, फूलों और पौधों की जड़ों से यह पेय बनाया। आज रूह अफ़ज़ा को भले ही शरबत के रूप में मार्केट में बेचा जा रहा है, लेकिन एक वक्त था जब इसे दवाई की तरह इस्तेमाल किया जाता था। इस टॉनिक को तैयार करने में खुर्फा के बीज, पुदीना, अंगूर, गाजर, तरबूज, संतरा, केवड़ा, खसखस, धनिया, पालक, कमल, लिली और गुलाब जैसी प्राकृतिक चीज़ों का इस्तेमाल किया गया। यह शरबत शरीर को लू से बचाने और गर्मी में तरोताजा करने के लिए बनाया गया था। रूह अफजा का नाम एक मशहूर फारसी और उर्दू के कवि नजीर अहमद ने रखा था, जो हकीम अब्दुल मजीद के करीबी दोस्त थे। फारसी में "रूह" का मतलब आत्मा और "अफजा" का मतलब ताज़गी या तरोताजगी देना होता है। यानी "रूह अफजा" का मतलब हुआ – आत्मा को ताज़गी देने वाला। इस शरबत का पहला लेबल 1910 में कलाकार मिर्जा नूर अहमद ने तैयार किया था और इसे मुंबई की बोल्टन प्रेस में छापा गया था। बाद में रूह अफजा की बोतलों को जर्मनी में डिजाइन करवाया गया। पहले यह शरबत शराब की बोतलों में आता था, फिर इसे कांच की बोतलों में बेचा जाने लगा, और अब प्लास्टिक की बोतलों में उपलब्ध है। हकीम अब्दुल मजीद के निधन के बाद उनके बेटे हकीम अब्दुल हामिद ने हमदर्द की जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने कंपनी को आगे बढ़ाया और इसे एक ट्रस्ट के रूप में बदल दिया, जिसका मकसद समाज की सेवा करना था। लेकिन साल 1947 में जब भारत का विभाजन हुआ, तब यह कंपनी भी दो हिस्सों में बंट गई। हामिद भारत में रह गए और हमदर्द इंडिया को चलाते रहे, जबकि उनके छोटे भाई मोहम्मद सईद पाकिस्तान चले गए और वहां कराची में हमदर्द की नई शुरुआत की। इसके बाद साल 1971 में जब बांग्लादेश बना, तब हमदर्द की एक शाखा वहां भी शुरू हुई। आज रूह अफजा भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश – तीनों देशों में बहुत लोकप्रिय है, रूह अफजा न केवल रमज़ान का एक अहम हिस्सा है, बल्कि हर घर की गर्मियों की थाली का भी हिस्सा है। चाहे मेहमान आ जाएं या गर्मी में कुछ ठंडा पीने का मन हो, रूह अफजा अक्सर पहली पसंद होता है। इसे पानी, दूध, आइसक्रीम या फालूदा के साथ मिलाकर पीया जाता है। रूह अफजा की खास बात यह है कि इसमें शामिल जड़ी-बूटियां और फूल न केवल स्वाद बढ़ाते हैं बल्कि सेहत के लिए भी फायदेमंद माने जाते हैं। यह शरीर को डिहाइड्रेशन से बचाता है और गर्मी में राहत देता है। यही वजह है कि आज भी, आधुनिक पेय पदार्थों की भरमार के बीच, रूह अफजा अपनी एक अलग पहचान बनाए हुए है।

शर्बत विवाद से रूहअफ़ज़ा की चर्चा ज़ोरों पर:

हाल ही में योग गुरु बाबा रामदेव ने रूह अफजा पर 'शरबत जिहाद' जैसा विवादास्पद बयान देकर कहा कि इसकी कमाई मदरसों और मस्जिदों में लगाई जाती है। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आईं, लेकिन इसके बावजूद रूह अफजा की लोकप्रियता में कोई खास फर्क नहीं पड़ा। क्योंकि लोगों के लिए यह सिर्फ एक ब्रांड नहीं, बल्कि यादों से जुड़ी एक परंपरा है। आज हमदर्द लैबोरेट्रीज इंडिया न केवल रूह अफजा बनाती है, बल्कि इसके पास 600 से ज्यादा उत्पाद हैं और यह कंपनी 25 से अधिक देशों में अपना व्यवसाय करती है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में कंपनी ने 1,843 करोड़ रुपये की कमाई की, जो इसके निरंतर विकास को दर्शाता है।रूह अफजा की कहानी हमें यह बताती है कि एक छोटे से दवाखाने में शुरू हुआ यह शरबत आज भारतीय उपमहाद्वीप की सांस्कृतिक पहचान बन चुका है। इसमें वह मिठास है, जो न केवल गले को राहत देती है, बल्कि लोगों के दिलों को भी जोड़ती है। यही वजह है कि रूह अफजा, आज भी, सिर्फ एक शरबत नहीं बल्कि एक विरासत है।

रूह अफ़ज़ा की परंपरा और पतंजलि की रणनीति के बीच फंसे छोटे ब्रांड

भारत में शर्बत का उद्योग बहुत बड़ा और लोकप्रिय है। यहां कई देसी ब्रांड्स मौजूद हैं जैसे हमदर्द का रूह अफ़ज़ा शर्बत, पायोमा इंडस्ट्रीज का रसना, बैद्यनाथ का शंखपुष्पी शर्बत और कूलर शर्बत, मैप्रो का गुलाब शर्बत और लेमन बार्ली वाटर, जय गुरूजी का नींबू स्क्वॉश शर्बत, मेहसन्स का केसरिया बादाम ड्राई फ्रूट शर्बत और खस शर्बत, 777 का नन्नारी शर्बत, डाबर का शरबत-ए-आज़म, गुलाब्स की ठंडाई, श्रीजी का खस और काला खट्टा, कृष्णा हर्बल का बेल शर्बत, वेलनेस शॉट का शरबत-ए-गुलाब, आरके होम मेड का मसाला काला खट्टा और निशा's का चंदन गुलजार शर्बत प्रमुख हैं। ये सभी ब्रांड्स गर्मी में शरीर को ठंडक देने वाले, पारंपरिक स्वाद से भरपूर और प्राकृतिक शुद्धता में विश्वास रखने वाले हैं। लेकिन इन सबके बीच रूह अफ़ज़ा की एक खास जगह है ये न केवल स्वाद के लिए, बल्कि एक परंपरा, एक विरासत के रूप में देखा जाता है। अब ऐसे माहौल में जब पतंजलि जैसी बड़ी कंपनी शर्बत के बाजार में कदम रखने की तैयारी कर रही है, तो रूह अफ़ज़ा जैसी स्थापित और ऐतिहासिक ब्रांड को सीधी चुनौती देना आसान नहीं होगा। इसका स्वाद, गुणवत्ता और उपभोक्ताओं से भावनात्मक जुड़ाव ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

छोटे ब्रांड्स पर असर

हालांकि, पतंजलि की एंट्री छोटे और स्थानीय शर्बत ब्रांड्स के लिए वाकई बड़ी चुनौती बन सकती है। वजह साफ़ है पतंजलि के पास एक विशाल उत्पादन नेटवर्क है, देशव्यापी वितरण प्रणाली है, और एक मज़बूत ब्रांड छवि भी है जो आयुर्वेद और प्राकृतिक उत्पादों से जुड़ी हुई है। इसके अलावा, पतंजलि अपने उत्पादों को आमतौर पर कम कीमत पर बेचती है। बड़े पैमाने पर उत्पादन के चलते उनकी लागत कम आती है, जिससे वो बाजार में किफायती दाम पर क्वालिटी उत्पाद पेश कर सकते हैं। ये वो चीज़ है जो छोटे ब्रांड्स के लिए करना मुश्किल है, क्योंकि उनके संसाधन सीमित होते हैं। छोटे ब्रांड्स, जिनके पास विज्ञापन का बजट सीमित होता है, इस प्रतियोगिता में पिछड़ सकते हैं।

"शर्बत जिहाद" बयान और ब्रांड छवि

हाल ही में बाबा रामदेव ने एक विवादास्पद बयान दिया जिसमें उन्होंने "शर्बत जिहाद" जैसे शब्द का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि कुछ शर्बत ब्रांड्स अशुद्ध सामग्री का उपयोग कर रहे हैं। यह बयान उपभोक्ताओं के बीच भ्रम और भय पैदा कर सकता है, और पतंजलि की ब्रांड छवि पर भी असर डाल सकता है। हालांकि, रूह अफ़ज़ा जैसे लंबे समय से विश्वसनीय और प्रतिष्ठित ब्रांड को इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि लोगों का उस पर भरोसा गहराई से जुड़ा है। लेकिन नए और छोटे ब्रांड्स, जो पहले से ही बाज़ार में अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे हैं, ऐसे बयानों से प्रभावित हो सकते हैं। एक ओर रूह अफ़ज़ा अपनी परंपरा और गुणवत्ता के दम पर अपनी जगह बनाए हुए है, वहीं पतंजलि की रणनीति और ब्रांड ताकत छोटे शर्बत निर्माताओं के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसे में सवाल यह नहीं कि क्या पतंजलि रूह अफ़ज़ा को पछाड़ पाएगी, बल्कि यह है कि क्या छोटे-छोटे देसी ब्रांड्स इस प्रतियोगिता में टिक पाएंगे?

For Sale

1,2,3,4 BHK फ्लैट्स ,
मोती डूंगरी रोड ,आदर्शनगर ,
जवाहरनगर , फ़तेह टीबा
& near by location
Contact - 8386947005

सांगानेर पत्रकार संघ का गठन, रविकांत शर्मा सर्वसम्मति से अध्यक्ष निर्वाचित

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर पत्रकारिता जगत के लिए एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। रविवार को सांगानेर में "सांगानेर पत्रकार संघ" का गठन सर्वसम्मति से किया गया, जिसमें वरिष्ठ पत्रकार रविकांत शर्मा को संघ का अध्यक्ष और गुलाब चंद कुमावत को कोषाध्यक्ष चुना गया। यह निर्णय दिशा संदेश मीडिया के मुख्य संपादक विकास डाबरा की ओर से आयोजित एक स्नेह मिलन समारोह के दौरान लिया गया। कार्यक्रम टोंक रोड स्थित गीतांजलि होटल में आयोजित किया गया, जहां दिशा संदेश मीडिया की पत्रकारिता में 12 वर्षों की उपलब्धि का जश्न मनाया जा रहा था। इसी समारोह के दौरान पत्रकारों के बीच लंबे समय से चल रही चर्चा ने ठोस रूप लिया और सांगानेर पत्रकार संघ के गठन का प्रस्ताव पास कर दिया गया। विकास डाबरा के विशेष प्रयासों से आयोजित इस आयोजन में पत्रकारिता से जुड़े अनेक चेहरे शामिल हुए। अध्यक्ष बनाए गए रविकांत शर्मा ने अपने पहले संबोधन में कहा, "हमारा उद्देश्य केवल समाचारों की रिपोर्टिंग नहीं, बल्कि पत्रकारों की आवाज़ को मज़बूती देना और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देना होगा। संघ, पत्रकारों के हितों की रक्षा करते हुए क्षेत्र की पत्रकारिता को नई दिशा देगा।"

संघ के गठन पर उपस्थित पत्रकारों ने एक-दूसरे को बधाई दी और कहा कि यह कदम सांगानेर के पत्रकारों के लिए एक मज़बूत मंच प्रदान करेगा, जो उन्हें एकजुट रखेगा और उनकी आवाज़ को मजबूती देगा। इस ऐतिहासिक मौके पर रविंद्र शर्मा, शिव शंकर छिपा, पुनीत शर्मा, दिनेश आर्य, दीपक गोधा, चंद्रभान सक्सेना, सुनील शर्मा, मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी, बन्ने सिंह, पवन शर्मा, योगेश शर्मा, गौरव आहूजा, मनीष सिंह, भुवनेश शर्मा सहित क्षेत्र के कई पत्रकार बंधु मौजूद रहे। कार्यकारिणी की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी, जिससे पत्रकार संघ संगठित रूप में सांगानेर की पत्रकारिता को नई ऊँचाइयों तक ले जा सकेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पर उनकी अम्बेडकर सर्किल स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक कालीचरणसर्राफ, गोपाल शर्मा तथा जयपुर नगर निगम ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण और नागरिकगण उपस्थित रहे। इससे पहले शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर भी बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्र गौरव अवॉर्ड - 2025 से सम्मानित

शादाब अली

सवाईमाधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ भाजपा नेता, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, साहित्यकार, समाजसेवी तथा राष्ट्रवादी विचारक डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्र गौरव अवॉर्ड - 2025 से सम्मानित किया गया है। बृजलोक साहित्य कला संस्कृति अकादमी, आगरा द्वारा अम्बेडकर जयंती के अवसर पर आयोजित किए गए एक समारोह में डॉ. चतुर्वेदी को संस्था के सचिव तिरवर नाथ, कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना देवी, विधिक सलाहकार डॉ. नरेश सिहाग एडवोकेट तथा मुख्य अध्यक्ष डॉ. मुकेश कुमार ऋषि वर्मा द्वारा डॉ. भीमराव अम्बेडकर राष्ट्र गौरव अवॉर्ड - 2025 प्रदान कर सम्मानित किया गया। डॉ. मधु मुकुल चतुर्वेदी को संगठनात्मक कार्यों का एक लंबा अनुभव है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ तथा विविध सामाजिक संगठनों में वे पिछले पैंतीस वर्षों से निरंतर सक्रिय हैं। शैक्षणिक एवं सामाजिक क्षेत्र में वे अपनी एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। डॉ. चतुर्वेदी की 15 पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं। डॉ. चतुर्वेदी 17 शोधार्थियों के शोध निदेशक रहे हैं। डॉ. चतुर्वेदी ने लगभग 150 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों में भागीदारी एवं पत्र वाचन किया है। डॉ. चतुर्वेदी ने अनेक साहित्यिक पत्रिकाओं का संपादन भी किया है। डॉ. चतुर्वेदी को भारत के विभिन्न प्रांतों द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर 108 बार सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. चतुर्वेदी की 150 कहानियां एवं आलेख विभिन्न पत्र - पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं। आकाशवाणी और दूरदर्शन पर डॉ. चतुर्वेदी की अनेक वार्ताएं प्रसारित हो चुकी हैं। वे एक श्रेष्ठ समीक्षक, कुशल वक्ता तथा कुशल मंच संचालक भी हैं। डॉ. चतुर्वेदी अनेक सामाजिक क्षेत्रों में निरंतर सक्रिय हैं।

ना घोड़ी, ना बाजा, ना बारात, सिर्फ प्रेम, संकल्प और सादगी

-उच्च अधिकारियों की अनूठी पहल – समाज को दिया दहेज और खर्चीले विवाह के विरुद्ध सशक्त संदेश

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जब जिम्मेदार अधिकारी समाज के लिए मिसाल बनें, तो बदलाव की दिशा और तेज़ हो जाती है। ऐसा ही उदाहरण पेश किया राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) की अधिकारी ज्योत्सना खेड़ा और राजस्थान वन सेवा (आरएफएस) के अधिकारी योगेश वर्मा ने, जिन्होंने ना धूमधाम की, ना तामझाम बल्कि बेहद सादगी से विवाह कर समाज को दिया एक सकारात्मक और प्रेरणादायक संदेश। जयपुर निवासी आरएएस अधिकारी ज्योत्सना खेड़ा (बैच 2024) एवं अलवर निवासी आरएफएस अधिकारी योगेश वर्मा (बैच 2022) ने सवाई माधोपुर स्थित मानटाउन क्लब में गिने-चुने अतिथियों की मौजूदगी में एक-दूसरे को वरमाला पहनाकर वैवाहिक बंधन में बंध गए। इससे पूर्व कोर्ट मैरिज के जरिए विवाह की विधिक प्रक्रिया पूर्ण की गई।

इस विवाह की खास बातें:

बिना घोड़ी, बिना बाजा और बिना बारात के विवाह संपन्न हुआ, न कोई दिखावा, न दहेज, सिर्फ सादगी और पारिवारिक आशीर्वाद के बीच समाज को एक बुलंद और सार्थक संदेश दिया कि "शादी दिखावे से नहीं, समझ और सहयोग से होती है"। दोनों अधिकारी वर्तमान में महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों पर कार्यरत:- ज्योत्सना खेड़ा वर्तमान में मलारना डूंगर में एसडीम के पद पर कार्यरत हैं, जबकि योगेश वर्मा फलौदी और पालीघाट क्षेत्र में एसीएफ पद पर सेवारत हैं। ज्योत्सना के पिता सेवानिवृत्त आईएएस कैलाश बैरवा पूर्व में सवाई माधोपुर में सेवाएं दे चुके हैं, जिससे यह ज़िला दोनों अधिकारियों के जीवन की खास स्मृति बन गया। समारोह की गरिमा बढ़ाई इन अधिकारियों ने :- इस सादगीपूर्ण अवसर पर जिले के कलेक्टर श्री शुभम चौधरी, पुलिस अधीक्षक श्रीमती ममता गुप्ता, एडीएम संजय शर्मा, जिला परिषद सीईओ गौरव बुडानिया, उपखंड अधिकारी श्री अनूप सिंह, रणथंभौर डीएफओ श्री रामानंद भांकर सहित कई वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। यह विवाह ना केवल एक निजी आयोजन रहा, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में एक सशक्त कदम बन गया। दहेज और फिजूलखर्ची से मुक्त विवाह आज की पीढ़ी के लिए एक नई सोच और साहसिक कदम की मिसाल है।"जब प्रशासनिक सेवाओं से जुड़े अधिकारी समाज के लिए आदर्श बनते हैं, तब परिवर्तन केवल नीतियों में नहीं, जीवन मूल्यों में भी उतरता है।"

आलीसर में पूर्णिमा का उद्यापन में चौमूं विधायक शिखा मील (बराला) ने कार्यक्रम में पहुंचकर शिरकत की

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत आलीसर के स्थित पारीको का मोहल्ला में एक दिवसीय पूर्णिमा का उद्यापन कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान उप सरपंच पुष्पा पारीक ने बताया कि जो भी महिला पहले से पूर्णिमा का व्रत करती आ रही है उसे परंपरा को ऐसा नहीं छोड़ा जा सकता इसके लिए पूर्णिमा का उद्यापन करना पड़ता है उसमें 16 जोड़ा के साथ महिलाओं को बुलाकर भोजन प्रसादी ग्रहण करवाया जाता है। इस कार्यक्रम के दौरान ध्वज की विधि-विधान से पूजा अर्चना कराकर बाबा भूधर दास जी महाराज के मुख्य मार्गो से होते हुए बैंड बाजे के साथ बाबा के मंदिर परिसर में पहुंचकर धूणी पर भोग लगाकर परिवार व क्षेत्र वासियों के लिए खुशहाली की मनोकामना मांगी। इस कार्यक्रम में चौमूं क्षेत्र के विधायक शिखा मील (बराला) ने इस कार्यक्रम में पहुंचकर मंदिर परिसर में धूणी पर भोग लगाकर एवं माथा टेकर क्षेत्रवासियों के खुशहाली की प्रार्थना की। इसके साथ ही प्रकाश चन्द् पारीक, अनरुद्ध पारीक, कमल कुमार जैन सहित मौके पर पहुंचकर चौमूं विधायक के पुष्प गुच्छ व साफा बांधकर सम्मान किया। इस मौके पर चौमूं विधायक ने बाबा के मंदिर के महंत गंगादास जी महाराज के साल उठाकर उनका आशीर्वाद लिया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद जगदीश प्रसाद यादव ने कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

-पूर्व विधायक रामलाल शर्मा और संभाग प्रभारी राजेंद्र गहलोत की मौजूदगी में ग्रहण की सदस्यता

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)। सुभाष सर्किल स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा और भाजपा सदस्यता अभियान जयपुर संभाग प्रभारी राजेंद्र गहलोत की मौजूदगी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व पार्षद जगदीश प्रसाद यादव को पार्टी का दुप्पटा ओढ़ाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण करवाई। पूर्व पार्षद जगदीश प्रसाद यादव का कहना है कि मैंने कांग्रेस पार्टी की ईमानदारी के साथ सेवा की परंतु कांग्रेस पार्टी में कार्यकर्ताओं की कोई कद्र नहीं होती है, कांग्रेस एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। दूसरी ओर विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी देश में माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में और प्रदेश में भजनलाल शर्मा जी के नेतृत्व में ऐतिहासिक कार्य कर रही है, जिसके कारण आज मैंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है।साथ ही उन्होंने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा द्वारा क्षेत्र में करवाए जा रहे विकास कार्यों की प्रशंसा की। इस दौरान भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, बजरंग लाल सोनी, प्रधान रामस्वरूप यादव, नगर महामंत्री महेश सेरावत, वार्ड नं-44 बूथ अध्यक्ष महेंद्र यादव, राजेश कुमावत, संगठन मंत्री हनुमान सहाय यादव, भागीरथ यादव, भाजपा कार्यकर्ता भगवान सहाय यादव, जगदीश यादव, राजकुमार यादव, बाबूलाल यादव, प्रहलाद यादव, मदन यादव, महेंद्र यादव, संतोष यादव, सुरेश मिस्त्री, ओमप्रकाश यादव, मालीराम यादव, ओमप्रकाश कुमावत (फौजी), अंकित यादव, राहुल यादव आदि लोग उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर वीर हनुमान मंदिर सामोद में आस्था का जन सैलाब सैलाब उमड़ा

-हनुमान जन्मोत्सव को लेकर सामोद पुलिस प्रशासन सुबह से शाम तक व्यवस्था में लगे रहे

चौमूं/ सामोद (रॉयल पत्रिका)। चौमूं तहसील के ग्राम पंचायत सामोद (खोल) एवं भूतेडा के स्थित इच्छा पूर्ण बालाजी मंदिर परिसरों की विशेष सजावट की गई। इसके साथ ही विधि- विधान से पुजारियों ने बालाजी के सिंदूर का चोला चढ़ाकर विशेष सजावट भी की गई और पूजा अर्चना कराकर बाबा के चूरमा, लड्, नरेयल, मुंगड़ा, मखाना के प्रसाद चढ़कर भोग लगाया। सामोद के बालाजी महाराज के सुबह 4:00 से शाम 6:00 तक श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता रहा। सुबह 4:00 से ही हनुमान चालीसा के गुणगान भक्तों ने बालाजी को हाज़िरी लगा रहे थे । इसी प्रकार बालाजी के माथा टेककर श्रद्धालुओं अपने परिवारजनों के लिए वह क्षेत्र के लिए कुछ सली की चुनौतियां मांग रहे थे। इसी प्रकार ग्राम पंचायत भूतेडा के स्थित इच्छा पूर्ण बालाजी के भी श्रद्धालुओं की भीड़ को मार रही थी । इसके साथ ही मंदिर पुजारी पंडित सांवरमल शर्मा ने बताया कि सुबह से ही इच्छा पूर्ण बालाजी जन्मोत्सव को लेकर मंदिर परिसर में विशेष सजावट की गई साथ ही इस कार्यक्रम के दौरान भजनों का भी अलग-अलग कलाकारों द्वारा प्रस्तुतियां देखकर भक्तों को झूमने में मजबूर कर दिया। इसके साथ ही श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। इसी प्रकार खेजरोली, भोपजी - इटावा, उदयपुरिया, महार कला, कागलिया वाले बालाजी, जेतपुरा, नंदपुरी आश्रम, आष्टींकला, नोपुरा बम आश्रम, विमलपुरा, कानपुरा, नांगल गोविंद, किशनपुरा, सिरसा, हीरा का बास, सान्दसर, मंडा भिंडा सहित मन्दिरों में भी बड़ी धूमधाम के साथ बालाजी को जन्मोत्सव मनाया गया। इसके साथ ही सामोद पुलिस प्रशासन ने सुबह से ही व्यवस्था में बड़ा सहयोग रहा।

मंदिरों में कुछ नहीं रखा, शिक्षा पर ध्यान दो : विधायक डी सी बैरवा

दौसा, (रॉयल पत्रिका)। दौसा विधायक डी सी बैरवा ने कहा कि मंदिरों में कुछ नहीं रखा। कुछ लोगों ने मंदिरों में जाने के लिए लोगों को जाल में फंसा रखा है। बैरवा ने यह बात शनिवार को ढिगारिया कपूर गांव में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी लोग बहुत ज्यादा मंदिरों व भागवत में जा रहे हैं। गांव में भागवत के लिए लाखों रुपए की उगाई कर रहे हैं। लेकिन गरीब की बेटी की शादी के लिए कोई 5 रुपए तक नहीं देता। ऐसे में हमारा धर्म है कि गरीब की बेटी को पढ़ाएं और शादी कराएं। उन्होंने कहा कि इस युग में शिक्षा में तो आगे बढ़ें, फिर हम कई जगह पीछे हैं। इसका मुख्य कारण हम कुरीतियों में डूबे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर पैसे लगाने चाहिए। मंदिरों में पैसे नहीं लगाएं।

ज्योतिबा फुले जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित, संविधान उद्देशिका का वाचन और नवोदय चयनित छात्र का सम्मान

चौमूं/ईटावा, (रॉयल पत्रिका)। इटावा के कंवरपुरा गांव में महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत ज्योतिबा फुले की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई, जिसके बाद भारत के संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कराया गया। इस अवसर पर वक्ताओं ने ज्योतिबा फुले के जीवन और उनके सामाजिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। एससी/एसटी महासंघ राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सचिव नरसा राम गोरा ने बताया कि फुले जी ने समाज सुधार, शिक्षा और महिला उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उन्हें भारत का प्रथम शिक्षक कहा जाता है, जिन्होंने समाज में शिक्षा की नींव रखी और शोषित वर्गों को जागरूक करने का कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान जुनसिया गांव के होनहार छात्र डेविड वर्मा (पुत्र कालीचरण वर्मा) को नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में चयनित होने पर सम्मानित किया गया। उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए सभी अतिथियों ने बधाई दी। इस अवसर पर कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही, जिनमें सांवर मल वर्मा, आशीष मूंदोत्तिया, सतपाल तरडिया, तेजपाल सोलेरा, मोहन लाल सोलेरा, राधेश्याम तरड़िया, राहुल सोलरा, अमरजीत तरडिया, श्रवण लाल कटारिया, शंकर लाल मंडलिया (गौतम मानव सेवा संस्थान निदेशक) सहित अनेक लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में देश और समाज की एकता व समरसता के लिए प्रार्थना की गई।

जयपुर में बिरादराने हवारियांन मुस्लिम धोबी समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन

-12 जोड़ो ने कबूल किया निकाह, शिक्षा और सादगी का दिया पैग़ाम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर के रामगढ़ मोड़ स्थित करबला मैदान 13 अप्रैल को एक ख़ूबसूरत और सादगी भरे मंज़र का गवाह बना, जहां बिरादराने हवारियांन (मुस्लिम धोबी) समाज की जानिब से सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस नेक और क़ाबिल-ए-तारीफ़ पहल में 12 जोड़ों ने निकाह क़बूल कर अपनी नई जिंदगी की शुरुआत की। इस दौरान सैकड़ों की तादाद में लोग इस मुबारक मौके पर शरीक हुए और दूल्हा-दुल्हन को नेक दुआओं से नवाज़ा। निकाह की रस्म एक साथ अदा की गई और सभी दुल्हनों को सामूहिक रूप से विदा किया गया। समाज की जानिब से आए मेहमानों और बारातियों के लिए खाने-पीने का मुनासिब इंतज़ाम किया गया था। इस पूरे आयोजन का सबसे बड़ा मक़सद था महंगी शादियों पर रोक और शिक्षा को बढ़ावा देना। कार्यक्रम के आयोजक सलीम प्रधान ने बताया यह बिरादराने हवारियांन समाज का दूसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन है। हमारा मक़सद है कि शादी जैसे नेक काम में फिज़ूलखर्ची से बचा जाए। जो पैसे बचते हैं, वो बच्चियों की तालीम और बेहतरी पर खर्च किए जाएं। उन्होंने आगे कहा कि हम सबको मिलकर यह समझना होगा कि शादी दिखावे का नहीं, बल्कि सादगी और नेक नीयत का नाम है। अगर समाज इस तरह के आयोजन को अपनाए, तो अमीरी-गरीबी का फ़र्क़ भी मिटेगा और भाईचारा भी बढ़ेगा।

पृष्ठ 1 का शेष...

बाबा साहब ने देश ही नहीं, दुनिया...

महापरिनिर्वाण भूमि (दिल्ली), चैत्य भूमि (मुंबई) और शिक्षा भूमि (लंदन) को पंच तीर्थ के रूप में विकसित किया है। साथ ही, उन्होंने 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की।

सामाजिक सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने उठाए अभूतपूर्व कदम

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार बाबा साहब के विचारों और आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के तहत सवा साल के कार्यकाल में कुल सवा सात लाख नए लाभार्थियों को जोड़ा है। प्रदेश में आज 91 लाख से ज्यादा लोग पेंशन पा रहे हैं। साथ ही, हमने पेंशन राशि 1,000 से बढ़ाकर अब 1,250 रुपए प्रतिमाह की है। बेसहारा और जरूरतमंद बच्चों की देखभाल के लिए पालनहार योजना के तहत हर महीने 2 हजार 500 रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। वहीं सरकार विमुक्त, घुमंतू और अर्द्धघुमंतू समुदाय के कल्याण के लिए दादूदयाल घुमंतू सशक्तीकरण योजना के माध्यम से 60 करोड़ रुपये खर्च कर रही है।

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना से दुर्लभ बीमारियों का निःशुल्क इलाज

शर्मा ने दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल संबल योजना के अंतर्गत डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की। इस योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक के बच्चों को 56 दुर्लभ बीमारियों के लिए 50 लाख रुपये तक की निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां बाबा साहब के आदर्शों को जाने-समझें और प्रेरणा लें। इसी क्रम में आज डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय, जयपुर के तहत अंबेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज एंड रिसर्च की शुरुआत की गई है।

बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों के भ्रमण के लिए योजना

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, ओबीसी, आर्थिक कमजोर वर्ग और दिव्यांग जनों को संबल देने के लिए अनुजा निगम और अल्पसंख्यक विकास निगम द्वारा दिए गए बकाया ऋणों के मामलों को निपटाने हेतु वन टाइम सेटलमेंट स्कीम के दिशा-निर्देश जारी किए और स्वच्छकारों को सेफ्टी किट वितरित किए। साथ ही, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उद्यमियों को औद्योगिक भूखंड के पट्टों का वितरण भी किया। मुख्यमंत्री ने मस्कुलर डिस्ट्रोफी पीड़ितों को इलेक्ट्रिक व्हीलचेयर भी प्रदान की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर पंचतीर्थ भ्रमण योजना के तहत राज्य सरकार अनुसूचित जाति के लोगों को बाबा साहब के जीवन से जुड़े पंचतीर्थों का भ्रमण करवा रही है। योजना के अंतर्गत आज उन्होंने बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना भी किया। समारोह में शर्मा ने बाबा साहब की प्रतिमा और संविधान की प्रति को माथे से लगाकर नमन किया। उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित भी किया। साथ ही, उन्होंने कुलदीप पंवार पाली को अंबेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार और डॉ अनुपमा सोनी को अंबेडकर महिला कल्याण पुरस्कार भी प्रदान किए। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग अध्यक्ष राजेंद्र नायक, जयपुर सासंद मंजू शर्मा, जिला प्रमुख रमा चोपड़ा, विधायक गोरधन लाल, राम सहाय वर्मा, लालाराम बैरवा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण, संबंधित अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

अंबेडकर प्रतिमा पर पट्टिका को लेकर हाथापाई पर उतरीं विधायक

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के सवाई माधोपुर जिले में डॉ. भीमराव अबेडकर जयंती से एक दिन पहले अंबेडकर की प्रतिमा पर पट्टिका लगाने को लेकर विवाद हो गया। नगर पालिका मुख्यालय बौंली में अंबेडकर सर्किल पर देर रात विधायक इंदिरा मीणा व भाजपा मंडल अध्यक्ष के बीच जमकर कहासुनी हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश के बाद मामला शांत कराया।

सुकून हॉस्पिटल, टोंक का हुआ भव्य उद्घाटन

टोंक, (रॉयल पत्रिका)। सुकून हॉस्पिटल, कृषि मंडी, टोंक का उद्घाटन विशाल मल्टी-स्पेशलिटी निः शुल्क चिकित्सा शिविर के रूप में किया गया। अरविंद जौहरी, निदेशक, सुकून हॉस्पिटल ने बताया के उन्होंने हॉस्पिटल को पुनः खोलने का फैसला लिया जिससे टोंक के चिकित्सा स्तर को बढ़ाया जासके। टोंक में आई.सी.यू. व इमरजेंसी सर्विसेज की कमी होने की वजह से मरीजो को बड़े शहर रेफेर कर दिया जाता है जहाँ उनको काफ़ी खर्चा कर इलाज करना पढ़ता है। इसके लिए उन्होंने डॉ.. ज़ोहेब नक़वी, जिन्होंने एनेस्थीसिया व क्रिटिकल केयर मेडिसिन में अपनी MD पूरी करि , उनको अपने अस्पताल का भार सौंपा। डॉ.. ज़ोहेब नक़वी, जो कोविड दौर में अपने आई.सी.यू. ट्रीटमेंट में नाम बना चुके हैं, बताया कि वो अपनी पूरी टीम, जनरल मेडिसिन, सर्जरी, पीडियाट्रिक्स, ऑर्थोपेडिक्स, ई.एन.टी. आदि के साथ सुकून हॉस्पिटल में आये हैं। इसी के चलते आज मल्टी-स्पेशलिटी कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमे डॉ.. दिवांशु खटाना (फिजिशियन), डॉ. अवनीश सैनी (पीडियाट्रिक्स), डॉ. साजिद ख़ान (ई.एन.टी.), डॉ. कुणाल (सर्जरी), डॉ. ज़र्रीन फ़ातिमा (सोनोलॉजिस्ट), डॉ. कार्तिक पुरोहित (ऑर्थोपेडिक्स) व डॉ. अर्चित तिवारी (डेंटल सर्जन) ने शिरकत कर अपनी सेवाएँ दी। डॉक्टर्स को सम्मानित करने के लिए राजस्थान वक़्फ़ बोर्ड के पूर्व चेयरमैन, नासिर अली नक़वी व सऊद सईदी को आमंत्रित किया गया।

मेरी कोशिशें दिखती नहीं है

किन आलमों की मख़लूक हो तुम
फितरत ज़रा भी बदलती नहीं है

मेरी प्यास देखो बढ़ी जा रही है
उमर के तक़ाज़ों से रुकती नहीं है

कहानी तो होती है सबकी मगर
रिसालों में सबकी छपती नहीं है

बदलती है निय्यत हर पल यहां
नक़ाबों के पीछे से दिखती नहीं है

यौवन उबल कर छलक सा रहा है
मगर ओढ़नी क्यों सरकती नहीं है

किये हैं जतन तुमको पाने के लेकिन
मेरी कोशिशें तुझको दिखती नहीं है

तख़लीक़ - फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव सेवा निवृत्त
मोबाइल नं 982866887

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

कागजी समाज ने भरी 16वीं उड़ान: सामूहिक विवाह सम्मेलन बन गया सादगी और एकता का प्रतीक

मोहम्मद सादिक हिंदुस्तानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर का कागजी समाज, जो अपनी मेहनत, ईमानदारी और व्यापारिक सफलता के लिए देशभर में मशहूर है, उसने एक बार फिर मिसाल कायम करते हुए अपने 16वें सामूहिक विवाह सम्मेलन का शानदार आयोजन किया। इस ऐतिहासिक सम्मेलन में समाज ने दिखा दिया कि जब दिलों में एकता और सेवा का जज़्बा हो, तो सादगी के साथ भी भव्य आयोजन संभव है। इस आयोजन की शुरुआत वर्ष 1986 में समाज के बुजुर्ग और प्रेरणास्त्रोत सलीम कागजी उर्फ बाबूजी ने की थी। उन्होंने अपने समाज को यह दिखाया कि विवाह जैसे पवित्र बंधन को अनावश्यक खर्चों से दूर रहकर भी आत्मसम्मान और गरिमा के साथ निभाया जा सकता है। आज यह आयोजन एक परंपरा बन चुका है, जो न केवल कागजी समाज बल्कि अन्य समाजों के लिए भी प्रेरणा स्रोत बन गया है। 11 अप्रैल को आयोजित इस 16वें सामूहिक विवाह सम्मेलन में कुल 38 जोड़ों का निकाह इमली गट्टा ग्राउंड, सांगानेर में सम्पन्न हुआ। इस आयोजन की अगुवाई पंचायत कागजियान सांगानेर ने की, और इस मौके पर सामाजिक, राजनीतिक व औद्योगिक जगत की कई नामी हस्तियाँ मौजूद रहीं। मुख्य अतिथियों में आर.आर. तिवारी (जिला अध्यक्ष राष्ट्रीय कांग्रेस जयपुर शहर एवं हवा महल विधायक प्रत्याशी), हाकम अली खान (विधायक, फतेहपुर), यूनुस खान (विधायक, डीडवाना), रफीक खान (विधायक, आदर्श नगर एवं चेयरमैन वक्फ बोर्ड राजस्थान), एम.डी. चोपदार (चेयरमैन, मदरसा बोर्ड राजस्थान), अमीन कागजी (विधायक किशनपोल एवं चेयरमैन, हज कमेटी राजस्थान), टीकम राम जूली (नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान विधानसभा), सबा करीम कागजी (मजिस्ट्रेट, सवाई माधोपुर), तथा हाजी नवाब कागजी जैसे कई विशिष्ट जन

उपस्थित रहे। इसके अलावा समाज के वरिष्ठ और प्रमुख व्यक्तियों में हाजी सईद कागजी (सेक्रेटरी, पंचायत कागजियान), हाजी खालिद कागजी, हाजी अबुल हसन कागजी, जावेद कागजी (समाजसेवी), हाजी अब्दुल रशीद कागजी (सदर), हाजी वजीर पठान, हाजी गनी कागजी, इमाम साहब कागजी जामा मस्जिद, काजी खलील कागजी सहित दिल्ली के औद्योगिक घरानों की कई हस्तियों ने मंच की शोभा बढ़ाई। समारोह में सभी नवविवाहित जोड़ों को समाज की ओर से तोहफ़े, दुआएँ और ढेर सारी शुभकामनाएं दी गईं। मुख्य अतिथियों और विशिष्ट जनों का पारंपरिक साफा, हार व फूलों से भव्य स्वागत किया गया। आयोजन में हज़ारों लोगों ने शिरकत की और स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। कागजी समाज ने इस आयोजन के माध्यम से यह पैग़ाम दिया कि सादगी में ही असली शान है, और सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और ज़िम्मेदारी की भावना को मज़बूत करते हैं।

जयपुर में ईद मिलन और वरिष्ठ अधिवक्ता सम्मान समारोह सम्पन्न

-वक्फ संशोधन बिल के ख़िलाफ़ दिखाई एकजुटता

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर, द्वारा शास्त्री नगर स्थित आरसी सेंटर में 11 अप्रैल 2025 को ईद मिलन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें 40 वर्षों से अधिक समय तक वकालत करने वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। समारोह में वक्फ संशोधन बिल 2025 के खिलाफ संवैधानिक तरीके से विरोध करने का संकल्प लिया गया। वरिष्ठ अधिवक्ताओं का सम्मान

समारोह में उन अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने वकालत के क्षेत्र में 40 वर्षों से अधिक का योगदान दिया। यह सम्मान उनके समर्पण और सेवा को रेखांकित करता है। उपस्थित अतिथियों ने अधिवक्ताओं की समाज के प्रति जिम्मेदारी और कानूनी क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान महासचिव सिराजुद्दीन बादशाह ने वक्फ संशोधन बिल को 'काला कानून' करार देते हुए इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने कहा, "जिस तरह सरकार को किसान बिल वापस लेना पड़ा, उसी तरह इस बिल को भी वापस कराने के लिए हम संगठन की ओर से मशवरा करेंगे। ईद मिलन के इस अवसर पर समुदाय के बीच एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया। विभिन्न वक्ताओं ने सामाजिक और कानूनी मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा और समुदाय के अधिकारों के लिए एकजुटता दिखाई। यह समारोह

न केवल ईद के उत्सव का हिस्सा था, बल्कि सामाजिक जागरूकता और कानूनी लड़ाई के लिए एक मंच भी साबित हुआ।

दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर ने इस आयोजन के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया कि वे वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ अपनी आवाज मजबूती से उठाएंगे। कार्यक्रम में वक्फ बोर्ड चेयरमैन खानू खान बुधवाली, एडवोकेट शाहिद हसन, मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना फजलुररहीम मुजद्दी, आरआर तिवाड़ी सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। दी बार एसोसिएशन वक्फ जयपुर के महासचिव सिराजुद्दीन बादशाह और अध्यक्ष अब्दुल वाहिद नकवी ने कार्यक्रम की अगुवाई की।

हज की रुहानियत और आदाब सिखाने वाला कैम्प सम्पन्न, मौलाना वली मोहम्मद शेरी ने दी तालीम

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "हज इस्लाम के पांच अरकान में से एक रुक्न है, यदि किसी ने सम्पूर्ण शर्तों के साथ मकबूल हज यात्रा कि तो पैगम्बर ए इस्लाम के फरमान के मुताबिक गुनाहों से ऐसे पाक हो जाता है, जैसे वह आज ही अपनी मां के पेट से पैदा हुआ हो।" यह बात रविवार को ख्वाजा नगर, अमृतपुरी, नूरानी मस्जिद में आयोजित हज ट्रेनिंग कैम्प में हज ट्रेनर हाफिज मौलाना वली मुहम्मद शेरी (खतीब नूरानी मस्जिद) ने कही। मौलाना वली मोहम्मद शेरी ने बताया कि हज कबूल होने की तीन निशानियाँ हैं, जिनमें हज के बाद हमेशा के लिए नरम दिल हो जाना, गुनाहों से नफरत हो जाना एवं नेक आमाल की तरफ रगबत हो जाना शामिल हैं। मौलाना वली मुहम्मद शेरी पिछले 17 सालों से लगातार 40 दिनों तक नूरानी मस्जिद ख्वाजा नगर, अमृतपुरी घाटगेट में हर साल हज यात्रियों को ट्रेनिंग देते आ रहे हैं। हाजी हबीब हुसैन ने बताया कि यह कैम्प अंजुमन मोहिब्बाने अहलेबैत संस्था अमृतपुरी के तत्वाधान में लगाया जाता है। इस मौके पर बड़ी संख्या में महिला व पुरुष यात्रियों ने कैम्प में शिरकत की और हज के अरकान सीखे। इस कैम्प में ट्रेनिंग लेने के बाद आजाद नगर घाट की गुणी के हाजी आदिल अहमद सैकड़ों हाजियों को ट्रेनिंग दे चुके हैं। आमेर के मशहूर व मारूफ इस्लामिक स्कोलर हजरत अल्लामा कारी एहतराम आलम, अजीजी मिस्बाही ने हज यात्रा के दौरान मदीना शरीफ में हुजूर की बारगाह में हाज़री के नियम तथा आदाब बताए। इस मौके पर अतिथियों के रूप में हज़रत अल्लामा कारी जाहिद हुसैन नूरी, हजरत अल्लामा कारी गुलाम मुइनूद्दीन कादरी, हज़रत

अल्लामा मुफ्ती हैदर अली मदनी, हजरत मौलाना सैय्यद शेर अली मदनी, हज़रत मौलाना मुहम्मद सुफियान अत्तारी, मुहम्मद आरिफ अंसारी, मुइनूद्दीन अंसारी, मुहम्मद हनीफ खां नूरी, वार्ड नम्बर 88 के पार्षद रईस कुरैशी ने शिरकत की। कार्यक्रम की सरपरस्ती हज़रत अल्लामा मुफ्ती अब्दुल सत्तार साहब रज़वी मुफ्ती-ए शहर जयपुर ने फरमाई और हज़रत की अन्तिम दुआ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

राज्य सरकार ने नगर निगम हेरिटेज में बहुप्रतीक्षित कमेटियों का गठन किया

- नगर निगम हेरिटेज में कांग्रेस सरकार नहीं कर पाई थी कमेटियों का गठन

-वार्ड 65 से पार्षद मोहम्मद जकारिया एकमात्र मुस्लिम पार्षद जिसको राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम हेरिटेज में आखिरकार भाजपा की प्रदेश सरकार ने कमेटियों का गठन कर दिया है। कांग्रेस का नगर निगम में करीब 4 साल का कार्यकाल रहा था, लेकिन विधायकों और पार्षदों की आपसी खींचतान के चलते प्रदेश की गहलोत सरकार कमेटियों का गठन नहीं कर सकी थी। प्रदेश में सरकार भाजपा की बनते ही निर्दलीय विधायकों के समर्थन से नगर निगम हेरिटेज में भाजपा का बोर्ड बनाया गया और पार्षद कुसुम यादव को महापौर बनाया गया। नगर निगम में भाजपा का बोर्ड बनवाने में समर्थन देने वाले सभी पार्षदों को किसी न किसी कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। नगर निगम हेरिटेज की कमेटी में वार्ड 65 के पार्षद मोहम्मद जकारिया उर्फ शेरम को राष्ट्रीय आजीवीका मिशन समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्षद जकारिया वार्ड 65 से निर्दलीय जीत कर आए थे। उन्होंने विधायक अमीन कागजी के चहेते एवं कांग्रेस उम्मीदवार को हराया था। पार्षद जकारिया को अध्यक्ष बनने पर बड़ी संख्या में अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों ने मुबारकबाद दी और माला पहनाकर स्वागत किया। जयपुर हेरिटेज नगर निगम की 6 अप्रैल 2025 को गठित नई कमेटियों उनके अध्यक्षों और सदस्य के पूरे नाम निम्नलिखित हैं:

1. वित्त समिति
अध्यक्ष: कुसुम यादव
सदस्य:
•राजेश कुमावत
•शिव कुमार सोनी
•नंदकिशोर सैनी
•अनिता जैन
•माया नैनीवाल
•सावित्री देवी
•सम्पत किशला
•संतोष मेहरिया
•मोनिका अग्रवाल

2. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति (वार्ड 1-33)
अध्यक्ष: पूरणमल सैनी
सदस्य:
•मनीष पारिक
•महेश कलवानी
•सुपेश सैनी
•बरखा सैनी
•रायल शर्मा
•माया नैनीवाल
•कैलाश जागिड़
•संजय राय मादर
•सीताराम अग्रवाल

3. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति (वार्ड 34-66)
अध्यक्ष: पवन कुमार शर्मा
सदस्य:
•वरदा सैनी
•राहुल शर्मा
•सुभाष व्यास
•मंजू शर्मा
•मोहम्मद फारूक
•ताराचंद खोवाल
•दुर्ग मोहन सैन
•भालोक बालोठिया
•सोहन चौधरी

4. स्वास्थ्य एवं स्वच्छता समिति (वार्ड 66-100)
अध्यक्ष: गिरीश नादा
सदस्य:
•घनश्याम टेपण
•नसरीन बानो
•रश्मि गुजराती
•कविता कुमावत
•ललिता जयसवाल
•नीरज अग्रवाल
•विमल साह
•कालूराम शर्मा
•इंदर रावत

5. विद्त एवं सार्वजनिक प्रकाश समिति (वार्ड 1-33)
अध्यक्ष: रामकिशन शर्मा
सदस्य:
•सोनल जागिड़
•मंजू शर्मा
•राजेश महावर
•सुभाष व्यास
•कमला कुमावत
•उमेश शर्मा
•कुसुम शर्मा
•राजेश गुप्ता
•विमललाल सैनी

6. विद्त एवं सार्वजनिक प्रकाश समिति (वार्ड 33-66)
अध्यक्ष: उत्तम शर्मा
सदस्य:
•सुनील कुमार दत्ता
•विमल अग्रवाल
•सुरेश सैनी
•भगवती देवी
•रजिया गुर्जर
•अब्दुल वहीद खान

•विशाल शर्मा
•कुल भूषण गोद
•राकेश राजोरिया

7. विद्त एवं सार्वजनिक प्रकाश समिति (वार्ड 66-100)
अध्यक्ष: अरविंद मेठी
सदस्य:
•विमल अग्रवाल
•सुरेश रौनी
•सुनील कुमार दत्ता
•जाहिद निर्वान
•शबनम खान
•हाजी मोहम्मद अहसान
•हिमांशु राजोरिया
•दिनेश यादव
•करण सिंह

8. गंदी बस्ती सुधार समिति
अध्यक्ष: संतोष कंवर
सदस्य:
•गजेन्द्र मीणा
•दशरथ सिंह शेखावत
•सुनौता देवी
•सुरेश सैनी
•महेश कलवानी
•सुनील दत्ता
•पवन दासोठ
•प्रकाश चौधरी
•मनोज डावरिया

9. नियम एवं उपविधि समिति
अध्यक्ष: विक्रम सिंह
सदस्य:
•विमल अग्रवाल
•मंजू बागड़ा
•शिव कुमार सोनी
•सुभाष व्यास
•रहीस कुरेशी
•घनश्याम चंदलानी
•आलोक गुप्ता
•गोकुल सिंह
•कन्हैया लाल कोली

10. लोक वाहन समिति
अध्यक्ष: रजत विश्नोई
सदस्य:
•हेमेन्द्र शर्मा
•मोहम्मद फरीद कुरेशी
•सोनल जागिड़
•मनीष पारिक
•रहीस कुरेशी
•घनश्याम टेपण
•मनोज बासोठ
•ज्योति बागवानी
•विजेंद्र चौधरी

11. फायर समिति
अध्यक्ष: जितेंद्र कुमार लख्यानी
सदस्य:
•अमर गुर्जर
•नंदकिशोर सैनी
•रेखा राठौड़
•कृष्णा शर्मा
•श्याम सुंदर सैनी
•सुशीला देवी
•विक्रम सिंह शेखावत
•अक्षय यादव
•विष्णु मीणा

12. पशु नियंत्रण एवं संरक्षण समिति
अध्यक्ष: सुरेश नावरिया
सदस्य:
•अमर गुर्जर
•हेमेन्द्र शर्मा
•घनश्याम चंदलानी
•घनश्याम टेपण
•मोहम्मद शोएब
•जाहिद बानो बिरानिया
•नरेश विजयवर्गीय
•उमेश शर्मा
•अशोक सोनी

13. राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन समिति
अध्यक्ष: मोहम्मद जकारिया
सदस्य:
•जमीला बेगम
•आयश सिद्दीकी
•सुनौता मावर
•सावित्री गहलोत
•उमेश शर्मा
•अफजल महमूद
•हमलता चौहान
•रमेश गुर्जर
•विक्रम सिंह तंवर

14. वर्षा जल पुनर्भरण एवं संरक्षण समिति
अध्यक्ष: पारस जैन
सदस्य:
•मोहम्मद अयूब
•उमरदराज
•रोहित कुमार डावरिया
•कमलेश कंवर
•रेशमा बेगम कुरेशी
•भगत सिंह
•राजेश सिबलिवाल
•विजय शर्मा

15. अतिक्रमण निरोधक समिति
अध्यक्ष: मनोज मुदगल
सदस्य:
•अब्दुल वहीद
•शबिया गुर्जर
•भगवती देवी
•नरेश कुमार नागर
•असमा
•सोहेल मंसूरी
•प्रभात शर्मा
•अरुण खटोड़
•त्रिलोक खंडेलवाल

16. अवैध भवन निर्माण निरोधक समिति
अध्यक्ष: माणक शर्मा
सदस्य:
• सलमान मंसूरी
•मनीष पारिक
•घनश्याम टेपण
•हेमेन्द्र शर्मा
•श्याम सुंदर सैनी
•आरिफ खान
•रामफूल मीणा
•नरेंद्र शेखावत
•विनीत सिकरोडिया

ऑपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ पुलिस थाना भांकरोटा में कार्यवाही

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त (अपराध) कुन्दन कंवरिया के मार्गदर्शन में चलाये जा रहे ऑपरेशन "क्लीन स्वीप' के तहत जयपुर शहर में अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करने हेतु रिछपाल सिंह, अति. पुलिस उपायुक्त, संगठित अपराध के निकट सुपरविजन एव नेतृत्व में C.S.T. आयुक्तालय जयपुर की टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरूद्ध आसूचना संकलन व इलाकों में निगरानी रखी जाकर प्राप्त सूचनाओं पर पुलिस थाना थाना भांकरोटा जयपुर (पश्चिम) की टीम के साथ कार्यवाही करते हुये मादक पदार्थ तस्कर छोटू मासलपुरिया पुत्र रामजीलाल को गिरफ्तार किया गया। उक्त

कार्यवाही के सम्बन्ध में पुलिस थाना भांकरोटा जयपुर (पश्चिम) में प्रकरण संख्या 122/2025 धारा 8/21 एन.डी.पी.एस. एक्ट में दर्ज किया गया। आरोपित के कब्जें से अवैध मादक पदार्थ 79 ग्राम 800 मिलीग्राम एवं परिवहन में प्रयुक्त 01 मोटरसाईकिल नम्बर RJ14-XD-8083 को बरामद करने में सफलता अर्जित की गयी। आरोपित अवैध मादक पदार्थ स्मैक महापुरा अजमेर रोड से खरीदकर लाता है और जयपुर शहर में वाटिका रोड पर सप्लाई करता है। गिरफ्तार आरोपी छोटू मासलपुरिया पुत्र रामजीलाल जाति रैगर उम्र 28 साल निवासी ग्राम दतवास पुलिस थाना दतवास जिला टोंक हाल सर्वेशर नगर वाटिका पुलिस थाना सांगानेर सदर जिला जयपुर का निवासी है।

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 134वीं जयंती के अवसर पर सिविल लाइन में स्थित कांग्रेस कार्यालय पर बाबा साहब की जयंती मनाई गई। उसके बाद में कांग्रेस के सभी कार्यकर्ता, जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर फूल अर्पित किया एवं उनको नमन किया उसके बाद में सवाई माधोपुर सांसद हरीश मीणा ने भी बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्जित कर उनको नमन किया, कार्यक्रम में लईक अहमद (सचिव, प्रदेश कांग्रेस कमेटी, राजस्थान) ने शिरकत की। बाद में कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजेश पहाड़िया के कार्यालय का

उद्घाटन किया। मलारना डूंगर में बाबा साहब अंबेडकर की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में भी शिरकत की। बाबा साहब का जीवन साहस और हर कठिनाई में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। बाबा साहेब के विचार और राष्ट्र निर्माण में योगदान हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। स्थापना की जयंती के अवसर पर राजेश पड़िया, सतीश श्रीवास्तव, सोनिका शर्मा, मीडिया प्रभारी अजय शर्मा, संजय गौतम, पार्षद अब्दुल गफूर, ब्लॉक अध्यक्ष अनिल वर्धमान, नगर अध्यक्ष मोहन मंगल, उपाध्यक्ष महेश चंदेल, प्यारेलाल शर्मा, बृजमोहन सिसोदिया, लक्ष्मी कुमार, शर्मा लक्ष्मी, चंद बैरवा जावेद खान एस टी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष बंशीलाल मीणा रामजीलाल बेरवा कई कार्यकर्ता मौजूद थे

एम.एच. खान राजस्थान पेंशनर्स मंच के जयपुर जिलाध्यक्ष नियुक्त

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान पेंशनर्स मंच के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश क्रांतिकारी की सहमति से प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ अब्दुल मन्नान खान पीरजादा ने राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल बारां के डी. एम. के पद से सेवानिवृत्त हुए मोहम्मद हनीफ (एम.एच.) खान को राजस्थान पेंशनर्स मंच जयपुर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है।

इसके साथ ही जल्द अपनी कार्यकारणी बनाकर पेंशनरों की समस्या का ऊपर काम करने की बात कही। बता दे कि एम. एच. खान राजस्थान स्टेट गंगानगर शुगर मिल बारां में लम्बे समय डी एम रहे। सेवा काल के दौरान विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के साथ कार्य किया, तथा विभाग में कर्मचारियों और अधिकारियों के हितों के लिए प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष

और प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए सदैव आवाज उठाते रहे। राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (राकमा) का भी प्रदेश स्तर पर प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनकी नियुक्ति पर जयपुर सहित बारां शहर के सामाजिक लोगो ने खुशी जाहिर की।

पार्षद का टिकट दिलाने का झांसा देकर महिला से गैंगरेप

-आरोपी ने एक कांग्रेस विधायक से फोन पर बात की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में एक महिला के साथ पार्षद का टिकट दिलाने के बहाने बुलाकर गैंगरेप को अंजाम दिया गया है। अब महिला ने सिंधीकैंप थाने में गैंगरेप का मामला दर्ज कराया है। महिला ने आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी से पार्षद का टिकट दिलाने का झांसा देकर प्रॉपर्टी का काम करने वाला उसका परिचित बबलू 9 अप्रेल की शाम को सिंधीकैम्प स्थित एक होटल में लेकर गया। यहां वसीम व मुन्ना भी मौजूद थे। आरोप है कि बबलू ने एक विधायक से पार्षद टिकट की बात करने के लिए कहा और खुद के मोबाइल का स्पीकर ऑन कर विधायक को फोन करने बताया। तब सामने से फोन रिसीव करने वाले व्यक्ति ने कहा कि वह राहुल गांधी के कार्यक्रम में व्यस्त है। बाद में बात करेंगे। इसके बाद आरोपियों ने नाश्ता करवाया, जिसमें नशीला पदार्थ मिला था। नाश्ता करने के बाद महिला बेसुध हो गई। इसके बाद आरोपियों ने उससे गैंगरेप किया। अगले दिन होश आया, तब उसने विरोध जताया। आरोपियों ने घटना के संबंध में किसी को बताने पर मारने की धमकी दी। बाद में महिला ने शुक्रवार को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने शनिवार को महिला का मेडिकल मुआयना करवाया है। मामले की जांच सदर एसीपी कर रहे हैं।

सड़क पर बारातों से ट्रैफिक जाम और विवाद की आशंका

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में चल रहे वैवाहिक सीजन के दौरान सड़कों पर निकलने वाली भारी-भरकम बारातों से आमजन को हो रही परेशानी को लेकर मुस्लिम परिषद संस्थान ने चिंता जताई है। संस्था के अध्यक्ष यूनुस चोपदार ने पुलिस आयुक्त जयपुर को एक पत्र लिखकर इस संबंध में सख़्त दिशा-निर्देश जारी करने और उनकी प्रभावी पालना करवाने की मांग की है। पत्र में यूनुस चोपदार ने लिखा है कि हाल के वर्षों में जयपुर शहर में बारातों में बैंड-बाजा, पहिए वाली लाइटों और भारी लवाजमे का चलन तेज़ी से बढ़ा है। बारातियों के साथ-साथ बैंड और लाइट स्टाफ की बड़ी संख्या, लाइटों की लारियाँ और तेज़ आवाज़ के कारण सड़कों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। उन्होंने बताया कि विशेषकर जब बारातें रात 10 बजे के बाद शुरू होती हैं, जो मुस्लिम समाज में आम बात है, तब यह समस्या और भी गंभीर रूप ले लेती है। सड़क पर सामान्य राहगीरों और बारातियों के बीच झगड़े की आशंका बढ़ जाती है, जो कई बार सांप्रदायिक तनाव का रूप भी ले सकती है। इससे न केवल आमजन को असुविधा होती है, बल्कि शादी के घर की खुशियाँ भी प्रभावित हो जाती हैं। चोपदार ने सुझाव दिया है कि बारातों के लिए पूर्व-निर्धारित मार्ग, समय-सीमा, और लाइटों व ध्वनि विस्तारकों के उपयोग पर नियंत्रण जैसे दिशा-निर्देश तय किए जाएं और पुलिस प्रशासन इनकी सख्ती से निगरानी करे।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

मोदी का चमत्कार है, जिसके कारण महंगाई के विरोध में अभियान नहीं चलते

देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वैसे तो कई बड़ी उपलब्धियां 2014 के बाद उनके खाते में आई हैं। लेकिन उनमें से एक उपलब्धि है कि देश में कमरतोड़ महंगाई होने के बाद भी महंगाई के विरोध में कोई बड़ा आंदोलन चलता हुआ नहीं देखा गया है। देश में पेट्रोल और डीजल के भाव आसमान छू रहे हैं। पेट्रोल-डीजल के भाव ऊंचाई पर रहने के कारण खाद्य पदार्थ, सब्जी, फल, कोयला एवं आना-जाने का भाड़ा भी काफी बढ़ गया। 2014 से पहले कच्चे तेल के भाव अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर करीब 90 डॉलर प्रति बैरल के आस पास थे। सरकार, तेल कंपनियां घाटे में चल रही थी। 2014 के बाद कच्चे तेल के भाव लगातार काम हो रहे है। वर्तमान में ट्रम्प टैरिफ और विभिन्न देशों में युद्ध की संभावनाओं के चलते कच्चे तेल के भाव 60 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गए है। देश की तेल कंपनियां, पेट्रोल पर 15 रूपये प्रति लीटर और डीजल पर 8 रूपये प्रति लीटर के करीब कमाई कर रही हैं, यानी देश की सरकार एवं पेट्रोल कम्पनियां मोटा मुनाफा कमा रही हैं। यह मोटा मुनाफा देश की जनता की जेब से खींचा जा रहा है। 4 वर्ष में कच्चा तेल 37 डॉलर प्रति बैरल सस्ता हो चुका है जबकि पेट्रोल के दाम मात्रा 9 रुपए प्रति लीटर ही कम किए गए हैं। पेट्रोल पर केंद्र सरकार करीब 22 रूपये और राज्य सरकार 15 से 20 प्रति लीटर टैक्स ले रही है। केंद्र सरकार के पेट्रोलियम मंत्रालय की पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालिसिस सेल के अनुसार पेट्रोल- डीजल से केंद्र और राज्य सरकारों ने 5 साल में 35 लाख करोड़ जुटाए हैं। सभी जानते हैं, देश की जनता जानती है और देश के विपक्षी पार्टियों के नेता और कार्यकर्ता जानते हैं। लेकिन पिछले 11 वर्षों में महंगाई के विरुद्ध कोई बड़ा आंदोलन खड़ा नहीं हो सका है। जैसे ही महंगाई के विरोध में आंदोलन करने की कोशिश की जाती है वैसे ही सरकार और भाजपा के सोशल मीडिया की टीमें सक्रिय हो जाती हैं और महंगाई को देश के पक्ष में, आतंकवाद को समाप्त करने के पक्ष में, अभियान चलाकर समाप्त करवा दिया जाता है। मंहगी पेट्रोल-डीजल के पक्ष में कहा जाता है कि हजार रुपए प्रति लीटर पेट्रोल हो जाए तब भी हम खरीदेंगे और देश को मजबूत करेंगे। वैसे ऐसा लिखने वाले ज्यादातर पैदल चलते हैं या साइकिल का प्रयोग करते हैं। लेकिन महंगाई के विरोध में चलने वाले अभियान की हवा जरूर निकाल देते हैं। यही कारण है कि सरकार के खिलाफ 11 वर्षो में कोई आंदोलन खड़ा नहीं हो सका है। यह भी कहा जा सकता है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चमत्कार ही है। क्योंकि देश की पिछली कई सरकारें महंगाई के मुद्दों के कारण चुनाव हार गई। लेकिन मोदी सरकार मंहगाई के बावजूद एक भी लोकसभा चुनाव नहीं हारी है।

नया वक्फ कानून मुसलमानों की शिनाख्त पर सीधा हमला है

-भाजपा सरकार ने अपने बहुमत के बूते नया वक्फ क़ानून बनाकर देश के मुसलमानों की शिनाख्त पर सीधा हमला किया है।

भाजपा सरकार ने अपनी बहुमत के बूते नया वक्फ कानून बनाकर देश के मुसलमानो की शिनाख्त पर सीधा हमला किया है। हम यह जानने की कोशिश करेंगे कि कैसे इस कानून से मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों को छिना गया है। कैसे इस कानून को बनाने के लिए झूठ पर झूठ बोलकर एक माहौल बना बनाया गया था और कैसे इस कानून के प्रावधानों से मुसलमानों की शिनाख्त पर हमला हुआ है। पहले हम यह देखते हैं कि कैसे इस कानून से मुसलमानों के संवैधानिक अधिकारों पर हमला हुआ है। संविधान में दिए मूल अधिकारों में अनुच्छेद 15 (4) यह कहता है कि देश के सभी नागरिक समान है उनमें धर्म, जाति या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जा सकता है। यदि वक्फ पर कोई कानून बनना था तो ठीक ऐसा ही कानून मंदिरों के ट्रस्टों, जैन समुदाय ट्रस्टों, सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी और ईसाई धर्म की संस्थाओं के लिए भी बनना चाहिए था। लेकिन कानून बना सिर्फ मुसलमानों की जायदादों के बारे में। ऐसे में यह स्पष्ट हो जाता है कि यह कानून संविधान के अनुच्छेद 15 (4) का सीधा उल्लंघन है। अब बात बात करते हैं संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 की इसमें मुसलमानों को स्पष्ट अधिकार दिया गया है कि वे अपने धर्म के लिए मस्जिदे बना सकते हैं, संस्थाएं बना सकते हैं और उनका संचालन कर सकते हैं। इस नए वक्फ कानून से मुसलमानों के इस अधिकार को छीना गया है, इससे साफ हो जाता है इस कानून के जरिए सरकार ने मुसलमानों के उन संवैधानिक अधिकारों को छीन लिया है।

जो संवैधानिक अधिकार उसे देश के संविधान ने दिए थे। ऐसे में हम यह कह सकते हैं कि सरकार ने अपने बहुमत के बल पर एक असंवैधानिक कानून मुसलमानों पर थोप दिया है। अब बात करते हैं कि इस कानून को बनाने के लिए झूठ दर झूठ बोलकर इसकी पृष्ठ भूमि तैयार की गयी, माहौल बनाया गया। एक झूठ तो यह बोला गया की रेल्वे और रक्षा विभाग के बाद सबसे ज्यादा जमीन वक्फ बोर्ड के पास है और वह आठ लाख हेक्टयर है जो सच नहीं था। अकेले तमिलनाडु, तेलंगाना, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के मंदिरों के पास लगभग 16 लाख एकड़ जमीन है। यानी चार प्रदेशों में ही मंदिरों के पास वक्फ बोर्ड से दुगनी जमीनें हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि पूरे देश में मंदिरों के पास कितनी जमीनें होंगी। अब बात करते हैं राजस्थान की तो प्रदेश में हर गांव में राजस्व रिकॉर्ड में मंदिर माफी की जमीनें है और जयपुर को तो मंदिरों को ठिकाना कहा जाता था और एक मंदिर के रखरखाव के लिए दर्जनों गांव दिए जाते थे। ऐसे में अकेले राजस्थान में मंदिर माफी की जमीनें वक्फ बोर्ड के बराबर होगी।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला है कि मंदिर माफी की जमीनें बेची नहीं जा सकती है। लेकिन सच्चाई यह है कि आधी से ज्यादा जमीनों को पुजारीयों ने खुर्द-बुर्द कर दी है लेकिन सरकार को यह नजर नहीं आता है। दूसरा सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में यह कहा गया कि वक्फ बोर्ड से 12 हजार करोड़ की आमदनी हो सकती है लेकिन सरकार ने इस रिपोर्ट की भी अधूरी बातें कही है। यह तो कह दिया की रिपोर्ट में 12 हजार करोड़ की आमदनी की बात कही है लेकिन सच्चर कमेटी की रिपोर्ट में तो यह भी कहा है कि सरकारों ने वक्फ बोर्डों की लगभग 4 हजार संपत्तियों पर कब्जा कर रखा है, उसे खाली करें। अकेले दिल्ली में सच्चर कमेटी ने 123 जायदादों पर सरकारों का कब्जा माना था और 2006 में इनकी कीमत 7 हजार करोड़ रुपये बताई थी। सरकारों ने आज तक भी इन जायदादों को खाली नहीं किया है। मनमोहन सिंह की सरकार ने वक्फ जायदादों से आमदनी बढ़ाने के लिए वक्फ विकास परिषद बनाई थी जिसमें प्रावधान किया था कि प्राइम लोकेशन की जायदादों को विकसित किया जाएगा। लेकिन मोदी जी की सरकार ने अपने पूरे कार्यकाल में वक्फ विकास परिषद को एक रुपए नहीं दिया है। उससे आप समझ सकते हैं कि मुसलमानों की तरक्की में उनकी कितनी दिलचस्पी है।

एक बात यह कही गई कि वक्फ की जायदादों की कमाई से वे गरीबों, महिलाओं का आर्थिक विकास करना चाहते हैं। तो मोदी जी मंदिरों के पास तो लाखों-करोड़ों रुपए बैंकों में जमा है। हजारों टन सोना है और दूसरी तरफ देश के 80 करोड़ लोग 5 किलो राशन पर गुजारा कर रहे हैं। ऐसे में आप कानून बनाकर मंदिरों का यह खजाना क्यों हिंदू दलितों, पिछड़ों, महिलाओं के आर्थिक विकास पर खर्च नहीं करते हैं। एक बात यह कही गयी की वक्फ बोर्डों में भ्रष्टाचार है। हाँ यह सच है इन बोर्डों में बहुत भ्रष्टाचार है। लेकिन आप देश का एक विभाग ऐसा बता दीजिए जिसमें भ्रष्टाचार ना हो। आप पिछले 11 साल में कितना भ्रष्टाचार कम कर पाए हैं। यह भी तो देश की जनता को बता दीजिए। अब बात करते हैं इसके प्रावधानों की, एक प्रावधान है कि यदि किसी संपत्ति पर विवाद होता है तो वह तब तक सरकार के पास रहेगी जब तक इसका फैसला नहीं होगा। फैसला कब होगा? इसकी कोई समय सीमा तय नहीं है। अब रही विवाद पैदा करने की तो इसको पैदा करने के लिए आपकी पार्टी में पूरी फौज खड़ी कर रखी है। जो फौज आज मस्जिदों के सामने नाच रही है। यही फौज हर दरगाह, मस्जिद और कब्रिस्तान पर विवाद खड़ा कर देगी। दूसरा प्रावधान है कि अब बोर्डों में गैर मुस्लिम सदस्य भी होंगे और केंद्रीय वक्फ बोर्ड और राज्य के वक्फ बोर्डों में बहुमत गैरमुस्लिमों का होगा यानि संपत्ति हमारी और हमारे बाप-दादाओ की और उसका संचालन करेंगे गैरमुस्लिम। क्या किसी मंदिर के ट्रस्ट में मुसलमान को शामिल किया सकता है? क्या जैनों के ट्रस्ट में किसी मुसलमान को शामिल किया जा सकता है? क्या सिखों के गुरुद्वारा प्रबंधन सरदार कमेटी में किसी गैर को शामिल किया जा सकता? इसमें शामिल नहीं किया जा सकता है। तो मोदी जी हमारे बाप- दादाओ की संपत्तियों की देखरेख में कैसे गैर मुस्लिम को शामिल किया जा सकता है। मोदी जी आप वक्फ संपत्तियों के चरित्र को समझिए। यह कोई खाली जमीनें नहीं है। आधी संपत्तियां मस्जिदों की की हैं, दस फीसदी दरगाहें और बीस फीसदी कब्रिस्तान है और जो बीस फीसदी हैं उसमें भी आधी पर तो केंद्र सरकार और राज्य सरकारों ने कब्जा कर रखा है। अकेले राजस्थान की साठ प्राइम लोकेशनों की जमीनों पर राजस्थान सरकार और उसके विभागों का कब्जा है। इनसे साफ जाहिर होता है कि आपकी नीयत मुसलमानों का भला करने की नहीं है। आप अपने कार्यकाल का एक काम गिनवा दीजिए जो आपने मुसलमानों के भले के लिए किया हो। आप तो कपड़ों से उनकी पहचान करते हो। चुनावी सभाओं में उसे मंगलसूत्र और भैंस चुराने वाला बताते हो। दरअसल यह वक्फ कानून तो बहाना है। इसके जरिए आप मुसलमानों के खौफ पैदा करना चाहते हैं। उनकी मस्जिदों, दरगाहों और कब्रिस्तानों को निशाना बनाना चाहते हैं। इसलिए यह कानून तो बहाना है असल में उनकी शिनाख्त को निशाना बनाना है।

डॉ. एस. खान

बेगम निशातुन निशा मोहनी पूर्ण स्वराज की प्रमुख हस्ती

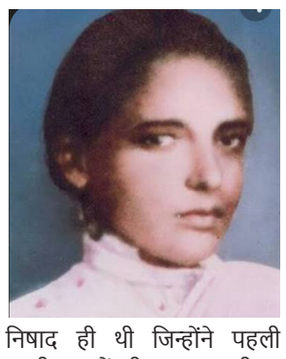

बेगम निशातुन निशा का जन्म 1884 में अवध में हुआ था। इनकी शादी हसरत मोहानी से हुई थी जो एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। जिन्होंने 'इंकलाब जिंदाबाद' का नारा दिया था। बेगम निशातुन निशा अंग्रेजी हुकूमत की घोर आलोचक थी। उन्होंने 1904 में कांग्रेस ज्वाइन की। जब 1907 में कांग्रेस गरम दल और नरम दल में विभाजन हुई, तब उन्होंने अपने पति के साथ गरम दल को चुना जिनके नेता बाल गंगाधर तिलक थे। जब उनके पति को अंग्रेज सरकार ने विरोधी लेख लिखने पर गिरफ्तार किया था तो उन्होंने अपने पति से कहा था कि अंग्रेजों के जुल्म को पूरी दिलेरी से बर्दाश्त करें, बाद में बेगम निशातुन ने अंग्रेजों की कानूनी कार्यवाहियों का डटकर मुकाबला किया, और हसरत मोहानी के अखबार 'उर्दू-ए-मुअल्ला का प्रकाशन जारी रखा। बेगम निशातुन ने असहयोग आंदोलन, खिलाफत आंदोलन में भरपूर काम किया यह बेगम निषाद ही थी जिन्होंने पहली खादी कपड़ों की दुकान 'अलीगढ़ खिलाफत स्टोर' के नाम से शुरू की। इससे होने वाली आमदनी से गांधी जी की पत्रिका 'यंग इंडिया' को सपोर्ट करती थी।

वह न केवल समर्पित पत्नी थी बल्कि देश भक्त महिला भी थी, वह अपने पति के साथ बैठकों में भाग लेती थी तथा आजादी की आवाज को बुलंद करती थी बाद में निशातुन निशा ने कांग्रेस छोड़ दी तथा किसान और मजदूरों के हितों की लड़ाई लड़ी इनकी मौत 18 अप्रैल 1937 को कानपुर में हुई।

बाबा साहेब अंबेडकर: समानता, शिक्षा और अधिकारों के महान पैरोकार

भारत का संविधान लिखने वाले डॉ भीमराव आंबेडकर की 14 अप्रैल को पूरे देश में जयंती मनाई जाती है। वे एक बहुत बड़े अर्थशास्त्री, न्यायविद, राजनीतिज्ञ, समाज सुधारक और राजनीतिक नेता थे। उन्होंने दलित जाति के लिए काफी काम किया। वे समाज से भेदभाव को खत्म करना चाहते थे। उन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन के लिए लोगों को प्रेरित किया और समाज में अछूतों को लेकर हो रहे भेदभाव के विरुद्ध अभियान चलाया था। उन्होंने हमेशा श्रमिकों, किसानों और महिलाओं के अधिकार के बारे में बात की। उनकी मृत्यु 06 दिसम्बर 1956 को हुई थी। उस दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है। भीमराव रामजी अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। उनका परिवार आधुनिक महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के अंबाडावे (मंडनगढ़ तालुका) शहर से मराठी पृष्ठभूमि का था। अम्बेडकर का जन्म महार (दलित) जाति में हुआ था, जिनके साथ अछूत माना जाता था और सामाजिक-आर्थिक भेदभाव किया जाता था। अम्बेडकर के पूर्वजों ने लंबे समय तक ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना के लिए काम किया था, और उनके पिता महू छावनी में ब्रिटिश भारतीय सेना में कार्यरत थे। रामजी सकपाल 1894 में सेवानिवृत्त हुए और दो साल बाद परिवार सतारा चला गया। उसके बाद उनकी मौसी ने उनकी देखभाल की। रामजी सकपाल परिवार के साथ मुंबई चले आये। अप्रैल 1906 में, जब भीमराव लगभग 15 वर्ष आयु के थे, तो नौ साल की लड़की रमाबाई से उनकी शादी कराई गई थी। तब वे पांचवी अंग्रेजी कक्षा पढ़ रहे थे। एक भारतीय न्यायविद, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिक नेता थे, जिन्होंने संविधान सभा की बहसों से भारत के संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति का नेतृत्व किया, पहली कैबिनेट में कानून और न्याय मंत्री के रूप में कार्य किया।

भीमराव रामजी की शिक्षा

भीमराव रामजी अम्बेडकर बॉम्बे विश्वविद्यालय के एलफिंस्टन कॉलेज से स्नातक करने के बाद, कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अर्थशास्त्र का अध्ययन किया। इसके बाद उन्हें 1927 और 1923 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और 1920 के दशक में किसी भी संस्थान में ऐसा करने वाले कुछ भारतीय छात्रों में से एक थे। उन्होंने ग्रेज़ इन, लंदन में कानून का प्रशिक्षण भी लिया। अपने शुरुआती करियर में, वह एक अर्थशास्त्री, प्रोफेसर और वकील थे। 1990 में, भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, भारत रत्न, अम्बेडकर को मरणोपरांत प्रदान किया गया

26 नवंबर, 1949 को संविधान का मसौदा तैयार किया

देश की आजादी के बाद पंडित जवाहरलाल नेहरू जब आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री बने तो उन्होंने अंबेडकर को अपने मंत्रिमंडल में कानून मंत्री के रूप में शामिल किया। इसके बाद अंबेडकर ने भारत के लोगों के सामने मसौदा संविधान प्रस्तुत किया, जिसे 26 नवंबर, 1949 को अपनाया गया। अंबेडकर ने बौद्ध धर्म पर एक किताब 'बुद्ध और उनका धर्म' लिखी। हालांकि इस पुस्तक का प्रकाशन उनकी मृत्यु के बाद हुआ। किताब लिखने के बाद 14 अक्टूबर, 1956 को खुद भी बौद्ध धर्म को अपना लिया।

धम्म की ओर: जब बाबासाहेब ने चुनी नई राह

14 अक्टूबर 1956 को नागपुर की दीक्षाभूमि में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने अपने 3 लाख 65 हजार फॉलोअर्स के साथ बौद्ध धर्म स्वीकार कर लिया। एक हिंदू के तौर पर पैदा हुए डॉ. अंबेडकर ने अपनी जिंदगी के आखिरी सालों में तय कर लिया था कि वो हिंदू के तौर पर नहीं मरेंगे। धर्म परिवर्तन से पहले उन्होंने इस्लाम से लेकर ईसाई जैसे धर्मों का गहराई से अध्ययन किया। इस्लाम, ईसाई और सिख धर्म पर विचार करने के बाद अंबेडकर के सामने एक ही धर्म बचा रह गया था। वो था बौद्ध धर्म, जिसके प्रति वह लंबे अरसे से आकर्षित रहे थे। जब अंबेडकर को यक़ीन हो गया कि दलितों को हिंदू व्यवस्था में कभी भी समान दर्जा नहीं मिल पायेगा तब वह उस वैकल्पिक धर्म की तलाश करने लगे, जिसमें धार्मिक और आध्यात्मिक मूल्यों के लिए जगह हो, और एक ऐसी नैतिक सामाजिक व्यवस्था की अवधारणा हो जिसमें भेदभाव और शोषण को स्वीकृति न दी जाती हो, जहां जन्म के आधार पर सामाजिक वर्गीकरण न किया गया हो। बौद्ध धर्म इस लिहाज बेहतर नजर आया। मई 1956 में डॉ. अंबेडकर ने ऐलान कर दिया कि अपने परिवार और समर्थकों के साथ वह उसी साल अक्टूबर के महीने में बौद्ध धर्म स्वीकार कर लेंगे।

इस्लाम आसान है, इसे अपने लिए कठिन मत बनाओ

इस्लाम एक ऐसा मजहब है जो अमन और मोहब्बत का पैगाम देता है। इस्लाम में, अल्लाह ने सही रास्ता दिखाया है और क़ुरान वह एकमात्र किताब है जिसे हर मुसलमान को अपनाना चाहिए। यह एक तरीका है अपने जीवन को अल्लाह की इच्छाओं और हिदायत के मुताबिक़ जीने का। इस्लाम को अपनाना ऐसा नहीं है कि इसे किसी तकलीफ के साथ करना पड़े या खुद पर दबाव डाला जाए। इसके उलट, इसे आसानी से और रहम के साथ अपनाया जाना चाहिए, क्योंकि अल्लाह ने इसे हमारे लिए आसान बना दिया है। अल्लाह ने क़ुरान और हज़रत मुहम्मद (ﷺ) की हिदायतों के ज़रिए एक विस्तृत मार्गदर्शन दिया है।

हज़रत मुहम्मद (ﷺ) ने फरमाया: "मजहब बहुत आसान है और जो कोई अपने मजहब को ज्यादा बोझिल बनाएगा, वह उसे जारी नहीं रख पाएगा।

इसलिए आपको अतिवाद से बचना चाहिए, बल्कि perfection के करीब पहुंचने की कोशिश करनी चाहिए और सुबह, दोपहर और रात के आखिरी वक्त में इबादत से ताकत पाएं।" (सहीह बुखारी: 39) इस हदीस से यह समझा जा सकता है कि हमें अपने मजहब को कठिन नहीं बनाना चाहिए और ना ही खुद को मुकम्मल बनाने के लिए दबाव डालना चाहिए, बल्कि हमारी नीयत सही होनी चाहिए और हर इबादत में अल्लाह पर भरोसा रखना चाहिए। अगर हमारी नीयत साफ है, तो हमारे रब से हमें ज्यादा इनाम मिलेगा। इस्लाम को मानना आसान है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि हम अपनी इबादतों में आलसी हो जाएं जैसे 5 वक्त की नमाज़, रमज़ान में रोज़ा रखना और ज़कात देना आदि।

नीचे कुछ बातें दी गई हैं जिन्हें हम इस हदीस से सीख सकते हैं और अपनी ज़िन्दगी में लागू कर सकते हैं:

1. अच्छे कामों को नियमित रूप से करें और अपनी क्षमता के अनुसार करें

हज़रत मुहम्मद (ﷺ) से पूछा गया, "कौन से काम अल्लाह को सबसे ज़्यादा पसंद हैं?"

उन्होंने जवाब दिया, "वही काम जो नियमित रूप से किए जाएं, भले ही वो कम हों।"

(सहीह बुखारी: 6465)

2. हमेशा अल्लाह से माफी माँगते रहें

हज़रत मुहम्मद (ﷺ) ने फरमाया: "आदम के सभी बेटें गुनाहगार हैं, लेकिन सबसे अच्छे गुनाहगार वे हैं जो बार-बार तौबा करते हैं।"

(तिरमिज़ी: 2499)

3. अल्लाह की रहमत पर हमेशा उम्मीद रखें

हालाँकि मुश्किल समय और नामुमकिन हालात होते हैं, हमें अल्लाह की रहमत पर सकारात्मक उम्मीद रखनी चाहिए। जैसा कि हज़रत मुहम्मद (ﷺ) ने कहा:

"अल्लाह कहते हैं: 'मैं जैसा अपने बंदे से सोचता हूँ, वैसे ही हूँ, और जब वह मुझे याद करता है, तो मैं उसके पास होता हूँ।'"

(सहीह बुखारी: 7405)

4. नमाज़ और सब्र से ताकत मिलती है

क़ुरान में कई जगह नमाज़ और सब्र को एक साथ जोड़ा गया है। अल्लाह क़ुरान में कहते हैं: "ऐ ईमान लाने वालो, सब्र और नमाज़ के जरिए मदद मांगो। यकीनन, अल्लाह सब्र करने वालों के साथ है।"

(सूरा अल-बकरा 2:153)

अब हमें यह समझना चाहिए कि हमें इस्लाम को कठिन नहीं बनाना चाहिए, जैसा कि अल्लाह ने कहा है कि यह आसान है क्योंकि अल्लाह किसी के लिए भी मुश्किल नहीं बल्कि सफलता चाहता है। इसका मतलब है कि इस्लाम एक ऐसा दीन है जो अपने मानने वालों को दिल से इसे अपनाने का और अल्लाह की खुशनुदी पाने की दावत देता है।

जलियांवाला बाग हत्याकांड: आज़ादी के इतिहास की सबसे काली रात

13 अप्रैल 1919... यह तारीख भारतीय इतिहास के उन काले पन्नों में दर्ज है, जिसे याद करके आज भी रूह कांप उठती है। अमृतसर स्थित जलियांवाला बाग में बैसाखी के दिन निहत्थे मासूमों पर अंग्रेजी हुकूमत द्वारा किए गए भीषण नरसंहार ने न केवल अंग्रेजी शासन की क्रूरता का खुलासा किया, बल्कि भारत की आजादी की लौ को और तेज कर दिया। 1919 में ब्रिटिश सरकार ने 'रौलेट एक्ट' लागू किया, जिसे भारतीयों ने 'काला कानून' कहा। यह कानून सरकार को किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा और बिना सुनवाई के गिरफ्तार करने का अधिकार देता था। देशभर में इस कानून का विरोध हुआ। महात्मा गांधी ने 6 अप्रैल 1919 को 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' की शुरुआत की। पंजाब में सत्यपाल और सैफुद्दीन किचलू जैसे लोकप्रिय नेताओं की गिरफ्तारी से जनमानस भड़क उठा।

13 अप्रैल 1919: वह भयावह दिन बैसाखी का पर्व था। जलियांवाला बाग में हजारों लोग शांतिपूर्ण ढंग से रौलेट एक्ट के विरोध में एकत्रित हुए थे। बाग के चारों ओर दीवारें थीं और बाहर निकलने का केवल एक संकरा रास्ता था। तभी ब्रिगेडियर जनरल रेजिनॉल्ड डायर अपने 90 सैनिकों के साथ वहां पहुंचा और बिना किसी चेतावनी के गोली चलाने का आदेश दे दिया। करीब 10 मिनट तक 1,650 राउंड गोलियां चलाई गईं। लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागे, कुएं में कूद गए – जिसे आज 'शहीदी कुआं' कहा जाता है – लेकिन कोई बच नहीं पाया। जलियांवाला बाग लाशों से पट गया।

ब्रिटिश सरकार ने 379 मौतों की बात कही, जबकि कांग्रेस और स्थानीय रिपोर्ट्स के अनुसार 1,000 से ज्यादा लोग शहीद हुए और 1,500 से अधिक घायल हुए। इस जघन्य हत्याकांड की खबर ने दुनिया भर को झकझोर दिया। ब्रिटिश संसद के हाउस ऑफ कॉमन्स में डायर की निंदा हुई, जबकि हाउस ऑफ लॉर्ड्स ने उसकी प्रशंसा की। जांच के लिए हंटर कमिशन गठित हुआ, लेकिन कोई न्याय नहीं मिला। डायर को केवल कर्नल बनाकर ब्रिटेन वापस भेज दिया गया।

ऊधम सिंह: न्याय का दूसरा नाम

ऊधम सिंह, जो जलियांवाला बाग में उस दिन मौजूद थे,

प्रतिशोध की भावना के साथ आग में जलते रहे। 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्सटन हॉल में उन्होंने जनरल डायर के उत्तराधिकारी माइकल ओ'ड्वायर को गोली मार दी। यह ऐतिहासिक बदला ब्रिटिश शासन की नींव हिला देने वाला था। उधम सिंह को फांसी की सजा हुई, लेकिन उन्होंने गर्व से कहा: "मैं मरने से नहीं डरता। मेरी मातृभूमि के लिए मैंने जो किया, उस पर गर्व है।" इस नरसंहार ने न केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी, बल्कि भगत सिंह जैसे क्रांतिकारियों को भी गहराई से प्रभावित किया। कहा जाता है कि इस घटना के बाद भगत सिंह पैदल चलकर जलियांवाला बाग पहुंचे थे, और यह दृश्य उनकी चेतना में बस गया।

जलियांवाला बाग हत्याकांड की 10 खास बातें:

1. बैसाखी का दिन था, जब सैकड़ों लोग मेला और सभा दोनों में शामिल होने आए थे।
2. जनरल डायर 90 सैनिकों के साथ बाग को चारों ओर से घेर चुका था।
3. गोलियां तब तक चलती रहीं जब तक सैनिकों की गोलियां खत्म नहीं हो गईं।
4. कई लोग जान बचाने के लिए 'शहीदी कुएं' में कूद गए।
5. ब्रिटिश सरकार ने 379 मौतें मानीं, पर भारतीय आंकड़े कहीं ज्यादा हैं।
6. इस हत्याकांड का उद्देश्य था भारतीयों को डराना, लेकिन उल्टा असर हुआ।
7. हंटर कमिशन की जांच के बावजूद डायर को कोई कठोर सजा नहीं मिली।
8. ब्रिटेन में इस हत्याकांड पर दोहरे मापदंड अपनाए गए।
9. ऊधम सिंह ने 21 साल बाद इसका बदला लिया और फांसी पर चढ़ गए।
10. इस घटना ने भारतीयों को एकजुट किया और आजादी की लड़ाई को नया बल दिया।

जलियांवाला बाग हत्याकांड आज भी हमारे दिलों में एक टीस छोड़ जाता है – सत्ता के दमन और आजादी की कीमत की एक अमिट याद। यह सिर्फ एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि भारतीय आत्मा में छिपी आज़ादी की पुकार का प्रतीक है। हमारे लिए यह जरूरी है कि हम इन बलिदानों को याद रखें और आने वाली पीढ़ियों को बताएं कि आज़ादी यूं ही नहीं मिली थी, इसकी नींव में न जाने कितने मासूमों का खून बहा था।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप्प करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli , Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

Baran Based 27/5.4/B.Tech., M.Tech. Girls, Working as a Civil Enginear With a Private Firm At Gurgaon. Father Bussiness Man, Mother House Wife, Elder Brother is Govt Doctor, Well Settled Family, Required Well honest Settled, Honest Life partner. Contact – 9829068455

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी में इंजीनियर और एग्ज़ीक्यूटिव पदों पर बंपर भर्ती, 1 मई तक करें आवेदन

नई दिल्ली। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (NTPC Green Energy Ltd) ने इंजीनियर और एग्ज़ीक्यूटिव के कुल 182 पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती के तहत योग्य उम्मीदवार 11 अप्रैल 2025 से 01 मई 2025 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया एनटीपीसी की आधिकारिक वेबसाइट www.ngel.in पर संचालित की जा रही है। इस भर्ती के माध्यम से सिविल, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, आईटी, फाइनेंस और एचआर जैसे विभागों में नियुक्तियां की जाएंगी।

पदों का विवरण:
इंजीनियर (RE - इलेक्ट्रिकल): 80 पद
इंजीनियर (RE - सिविल): 40 पद
इंजीनियर (RE - मैकेनिकल): 15 पद
एग्ज़ीक्यूटिव (RE - फाइनेंस): 26 पद
एग्ज़ीक्यूटिव (RE - एचआर): 07 पद
अन्य पद: IT और C&M सहित 14 पद

योग्यता और आयु सीमा:
इन पदों के लिए उम्मीदवारों के पास B.E./B.Tech, M.E./M.Tech, MBA, CA/CMA या समकक्ष डिग्री होनी चाहिए। आवेदकों की अधिकतम आयु 30 वर्ष निर्धारित की गई है। आरक्षित वर्गों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क:
सामान्य, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए ₹500 शुल्क निर्धारित है।
महिला, SC/ST, PwBD और पूर्व सैनिकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा।

आवेदन कैसे करें:
इच्छुक उम्मीदवार एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की आधिकारिक वेबसाइट www.ngel.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 01 मई 2025 है।
महत्वपूर्ण सूचना: उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि आवेदन से पूर्व आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें ताकि पात्रता, चयन प्रक्रिया एवं अन्य नियमों की पूरी जानकारी प्राप्त हो सके।

शिवाजी कॉलेज, डीयू में असिस्टेंट प्रोफेसर की भर्ती; सैलरी 1 लाख 82 हजार तक

दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भर्ती निकली है।उम्मीदवार कॉलेज की ऑफिशियल वेबसाइट www.shivajicollege.ac.in या डीयू पोर्टल www.du.ac.in पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
4 अप्रैल से 26 अप्रैल 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
न्यूनतम 55% अंकों के साथ मास्टर्स की डिग्री
यूजीसी/सीएसआईआर द्वारा आयोजित NET परीक्षा पास
पीएचडी उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

एज लिमिट :
जारी नहीं

सैलरी :
57,700 - 1,82,400 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर

फीस :
अनारक्षित/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी, महिला : निःशुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.shivajicollege.ac.in पर जाएं।
होमपेज पर "Work With DU" के ऑप्शन पर क्लिक करें।
"Jobs and Opportunities" के विकल्प को चुनें।
आवेदन फॉर्म भरें।
साथ ही जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।

राजस्थान लोक सेवा आयोग में जूनियर केमिस्ट के 13 पदों पर भर्ती, ऑनलाइन आवेदन 8 मई तक

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने जूनियर केमिस्ट (Junior Chemist) के 13 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 09 अप्रैल 2025 से 08 मई 2025 तक आयोग की आधिकारिक वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों का चयन लिखित परीक्षा और दस्तावेज़ सत्यापन के आधार पर किया जाएगा।

पद का विवरण:
पद का नाम: जूनियर केमिस्ट
कुल पद: 13
शैक्षणिक योग्यता: M.Sc (रसायन विज्ञान या संबंधित क्षेत्र)
आयु सीमा: 21 से 40 वर्ष (01-01-2026 को आधार मानते हुए)
आयु में छूट: नियमानुसार मान्य

आवेदन शुल्क:
सामान्य / अन्य राज्य: ₹600
OBC / MBC / SC / ST: ₹400
संशोधन शुल्क: ₹500
भुगतान मोड: ऑनलाइन माध्यम

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 09 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 08 मई 2025

आवेदन कैसे करें:
RPSC की आधिकारिक वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
"Recruitment Portal" सेक्शन में जाकर संबंधित विज्ञापन संख्या 02/2025-26 को चुनें।
रजिस्ट्रेशन कर आवेदन पत्र भरें और सभी जरूरी दस्तावेज़ अपलोड करें।
आवेदन शुल्क का भुगतान कर सबमिट करें और भविष्य के लिए प्रिंटआउट सुरक्षित रखें।

रेलवे में अप्रेंटिस के 933 पदों पर निकली भर्ती; बिना एग्जाम के सिलेक्शन

साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे (SECR) की ओर से आरआरसी नागपुर डिवीजन में अप्रेंटिस पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार अप्रेंटिसशिप पोर्टल apprenticeshipindia.gov.in पर जाकर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। यह भर्ती कॉन्ट्रैक्ट बेस के लिए की जाएगी।

आवेदन शुरु :
5 अप्रैल से 4 मई 2025 तक

डिवीजन वाइस वैकेंसी :
नागपुर डिवीजन : 858
वर्कशॉप मोतीबाग : 75
कुल पदों की संख्या : 933

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
संबंधित विषय में आईटीआई डिप्लोमा

एज लिमिट :
न्यूनतम : 15 साल
अधिकतम : 24 साल
एससी, एसटी को 5 साल की छूट दी जाएगी
ओबीसी को 3 साल की छूट दी जाएगी

स्टाइपेंड
एक वर्ष आईटीआई कोर्स करने वाले उम्मीदवारों को 7700 रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।
दो वर्षीय आईटीआई करने वाले उम्मीदवारों को 8050 रुपए प्रतिमाह सैलरी मिलेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट www.apprenticeshipindia.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन में 400 पदों पर भर्ती; 10 अप्रैल से शुरू आवेदन

न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड में एग्जीक्यूटिव ट्रेनी के पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इस भर्ती के लिए फीस जमा करने की आखिरी तारीख 30 अप्रैल तय की गई है।

पोस्ट : 400

आवेदन शुरु :
10 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में बीई, बीटेक की डिग्री
गेट 2023, गेट 2024 या GATE 2025 में वैलिड स्कोर प्राप्त किया हो।
GATE 2022 या उससे पहले के स्कोर वैलिड नहीं होंगे।

एज लिमिट :
अधिकतम 26 साल
रिजर्व कैटेगरी के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
इंटरव्यू के बेसिस पर
इंटरव्यू के लिए शॉर्ट लिस्टिंग GATE स्कोर के आधार पर की जाएगी।

फीस :
जनरल, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी के मेल कैंडिडेट्स : 500 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग, पूर्व सैनिक, फीमेल कैंडिडेट्स और NPCIL कर्मचारी: निःशुल्क

सैलरी :
56,100 रुपए प्रतिमाह

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट npcilcareers.co.in पर जाएं।
करियर बटन पर क्लिक करने के बाद Registration Form लिंक पर क्लिक करें।
GATE 2023/2024/2025 डिटेल्स के साथ रजिस्ट्रेशन करें।

RRB ALP भर्ती 2025: 9970 सहायक लोको पायलट पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

नई दिल्ली, 12 अप्रैल 2025: रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) ने सहायक लोको पायलट (ALP) के 9970 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार 12 अप्रैल 2025 से 11 मई 2025 तक RRB की आधिकारिक वेबसाइट, www.rrbapply.gov.inके माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: सहायक लोको पायलट (ALP)
कुल पद: 9970

आवश्यक योग्यता:
किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
डिप्लोमा या ITI (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) में 2 वर्षीय कोर्स

आयु सीमा (01 जुलाई 2025 के अनुसार):
न्यूनतम आयु: 18 वर्ष
अधिकतम आयु: 30 वर्ष
(आरक्षित श्रेणियों के उम्मीदवारों के लिए आयु में छूट)

आवेदन शुल्क:
सामान्य / OBC / EWS: ₹500
SC / ST / ESM / महिला / EBC: ₹250
(आवेदन शुल्क ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से)

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ तिथि: 12 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 11 मई 2025 (रात्रि 11:59 बजे तक)
परीक्षा तिथि: शीघ्र घोषणा की जाएगी

भर्ती प्रक्रिया:
उम्मीदवारों का चयन ऑनलाइन परीक्षा और दस्तावेज़ सत्यापन के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा की तारीख और अन्य जानकारी जल्द ही जारी की जाएगी।

पदों का वितरण (क्षेत्रवार):
केंद्रीय रेलवे: 376 पद
पूर्व मध्य रेलवे: 700 पद
पूर्व तट रेलवे: 1461 पद
पश्चिमी रेलवे: 885 पद
दक्षिणी रेलवे: 510 पद
इत्यादि (कुल 9970 पद)
रेलवे भर्ती बोर्ड में ए.एल.पी. पदों के लिए आवेदन करने के इच्छुक उम्मीदवारों से अनुरोध है कि वे आवेदन करने से पूर्व आधिकारिक अधिसूचना को ध्यान से पढ़ें। सभी प्रक्रिया ऑनलाइन की जाएगी।

राजस्थान में कॉन्स्टेबल की 9617 भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

राजस्थान पुलिस में कॉन्स्टेबल के 9000 से ज्यादा पदों पर भर्ती का नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 28 अप्रैल 2025 से की जाएगी। आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाकर अप्लाई कर सकेंगे।

पद : कॉन्स्टेबल

आवेदन शुरु :
28 अप्रैल से 17 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त बोर्ड से 12वीं पास।
राजस्थान 12वीं लेवल CET परीक्षा पास होना चाहिए

शारीरिक योग्यता :
हाइट : पुरुषों की हाइट 168 सेमी और महिलाओं की हाइट 152 सेमी होनी चाहिए।
छाती : पुरुषों की सीना 81 सेमी और फूलने के बाद 86 सेमी होना चाहिए।
दौड़ : पुरुषों को 25 मिनट में 5 किमी और महिलाओं को 35 मिनट में 5 किमी दौड़ना होगा।

एज लिमिट :
जन्मतिथि की न्यूनतम तारीख 1 जनवरी 2008 और पुरुषों के लिए अधिकतम तारीख : 2 जनवरी 1999 और महिला ड्राइवरों के लिए 2 जनवरी 1994 होनी चाहिए।

अन्य सभी पद :
न्यूनतम जन्मतिथि 1 जनवरी 2008 और अधिकतम जन्मतिथि पुरुषों के लिए 2 जनवरी 2002, महिलाओं के लिए 2 जनवरी 1997 होनी चाहिए।
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 के आधार पर की जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
लिखित परीक्षा
फिजिकल टेस्ट
स्किल टेस्ट
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

फीस :
सामान्य व क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग/ राजस्थान से बाहर के आवेदक : 600 रुपए
राजस्थान के नॉन क्रीमीलेयर के पिछड़ा वर्ग/ अति पिछड़ा वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर/ एससी/ एसटी : 400 रुपए

सैलरी :
मैट्रिक्स लेवल - 5 के अनुसार

एग्जाम पैटर्न :
लिखित परीक्षा ओएमआर बेस्ड होगी।
प्रश्न पत्र 150 अंकों का होगा।
इसमें 150 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे।
हर प्रश्न का सही उत्तर देने पर 1 अंक दिया जाएगा।
गलत उत्तर देने पर 25% अंक काटा जाएगा

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट police.rajasthan.gov.in पर जाएं।
Recruitment सेक्शन में जाकर "Constable Recruitment 2025" लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स भरकर डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजस्थान में 8256 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 40 साल

राजस्थान में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) एवं राज्य मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी के तहत 8256 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑनलाइन माध्यम से RSSB की ऑफिशियल वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in या SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरु :
2 अप्रैल से 1 मई 2025 तक
पोस्ट : 8256 पदों पर

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पदानुसार ग्रेजुएशन/ बीकॉम/ बीएससी/ बीटेक/ बीई/ संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा/ 12th/ BAMS/ GNM/ CA/ DML की डिग्री।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 40 साल
आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को नियमानुसार छूट दी जाएगी।
उम्र की गणना 1 जनवरी 2026 को ध्यान में रखकर की जाएगी।

फीस :
सामान्य, ओबीसी (क्रीमीलेयर) : 600 रुपए
राजस्थान राज्य के पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमीलेयर), एससी/ एसटी और सभी वर्ग के दिव्यांग : 400 रुपए

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम के बेसिस पर

सैलरी :
जारी नहीं

ऐसे करें आवेदन :
rssb.rajasthan.gov.in पर जाएं।
SSO पोर्टल sso.rajasthan.gov.in से लॉग इन करें।
सिटीजन एप्स G2C पर उपलब्ध रिक्रूटमेंट पोर्टल का चयन करें।
फीस जमा करके फॉर्म सब्मिट करें।
इसका प्रिंटआउट निकालकर रखें।

309 एयर ट्रैफिक कंट्रोलर (JE ATC) पदों पर भर्ती हेतु अधिसूचना जारी

नई दिल्ली। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) ने 07 अप्रैल 2025 को एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर 309 जूनियर एग्जीक्यूटिव (Air Traffic Controller) पदों पर भर्ती की घोषणा की है। इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवार 25 अप्रैल 2025 से 24 मई 2025 तक www.aai.aero पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का विवरण:
पद नाम: JE (Air Traffic Controller)
कुल पद: 309

शैक्षणिक योग्यता:
B.Sc (Physics and Mathematics विषयों के साथ) या
B.Tech / B.E किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से

आयु सीमा (24 मई 2025 तक):
अधिकतम आयु: 27 वर्ष
नियमानुसार आरक्षित वर्गों को आयु में छूट प्रदान की जाएगी।

आवेदन शुल्क:
सामान्य / ओबीसी / EWS उम्मीदवार: ₹1,000 (GST सहित)
अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति / महिला / दिव्यांग / AAI में 1 वर्ष का अप्रेंटिसशिप कर चुके उम्मीदवार: शुल्क में छूट

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 25 अप्रैल 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 24 मई 2025

चयन प्रक्रिया:
AAI द्वारा चयन प्रक्रिया में ऑनलाइन परीक्षा, दस्तावेज़ सत्यापन, और वॉयस टेस्ट / मेडिकल टेस्ट शामिल हो सकते हैं। विस्तृत जानकारी हेतु आधिकारिक अधिसूचना पढ़ना अनिवार्य है।सभी इच्छुक अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि आवेदन करने से पहले आधिकारिक अधिसूचना को ध्यानपूर्वक पढ़ें।

आधिकारिक वेबसाइट: www.aai.aero

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSMSSB) भर्ती विज्ञप्ति 2025

पद नाम: कंडक्टर (परिचालक)
कुल पदों की संख्या: 500 पद
विभाग: राजस्थान अधीनस्थ एवं मंत्रालयिक सेवा चयन बोर्ड
आवेदन का माध्यम: ऑनलाइन
आधिकारिक वेबसाइट: rssb.rajasthan.gov.in

महत्वपूर्ण तिथियाँ:
ऑनलाइन आवेदन प्रारंभ: 27 मार्च 2025
ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि: 25 अप्रैल 2025
शुल्क भुगतान की अंतिम तिथि: 25 अप्रैल 2025
फॉर्म सुधार की तिथि: 26 अप्रैल 2025 से 02 मई 2025

शैक्षणिक योग्यता:
अभ्यर्थी ने माध्यमिक परीक्षा (10वीं) या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण की हो।

आयु सीमा (01.01.2026 के अनुसार):
न्यूनतम आयु: 18 वर्ष
अधिकतम आयु: 40 वर्ष
(आरक्षण श्रेणी के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्राप्त होगी)

आवेदन शुल्क:
सामान्य वर्ग एवं क्रीमीलेयर ओबीसी/एमबीसी: ₹600/-
नॉन-क्रीमीलेयर ओबीसी/एमबीसी, ईडब्ल्यूएस, एससी/एसटी, दिव्यांग: ₹400/-
भुगतान माध्यम: ऑनलाइन (डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग आदि)

DRDO में 70 पदों पर निकली भर्ती; एज लिमिट 30 साल, बिना एग्जाम के होगा सिलेक्शन

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी DRDO में इंजीनियर, फिटर सहित अन्य पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट www.drdo.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरु:
4 अप्रैल से 20 अप्रैल तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
संबंधित क्षेत्र में ।T। की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 30 साल
रिजर्व कैटेगरी को सरकारी नियमों के अनुसार उम्र में छूट दी जाएगी

स्टाइपेंड :
13,000 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
एकेडमिक मार्क्स
ट्रेड टेस्ट
मेडिकल, पुलिस वेरिफिकेशन

ऐसे करें ऑनलाइन आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट drdo.gov.in पर जाएं।
होमपेज पर करियर सेक्शन पर क्लिक करें।
अप्लाई लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन करें।

राजस्थान में जूनियर केमिस्ट की भर्ती; एज लिमिट 40 साल, पीजी फाइनल ईयर स्टूडेंट को भी मिलेगा मौका

राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) ने जूनियर केमिस्ट भर्ती 2025 के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। 9 अप्रैल को आवेदन शुरू होने के बाद उम्मीदवार वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे।

आवेदन शुरु :
9 अप्रैल से 8 मई 2025 तक

कैटेगरी वाइस वैकेंसी डिटेल्स :
सामान्य (यूआर) : 06
ईडब्ल्यूएस : 01
अनुसूचित जाति : 02
अन्य पिछड़ा वर्ग : 03
अति पिछड़े वर्ग : 01
कुल पदों की संख्या : 13

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी या संस्थान से केमिस्ट्री में एमएससी की डिग्री
राजस्थान के कल्चर का नॉलेज
संबंधित विषय से पीजी फाइनल ईयर डिग्री के छात्र-छात्राएं भी अप्लाई कर सकते हैं। उम्मीदवारों को आरपीएससी की ओर से कंडक्ट कराए जाने वाले इंटरव्यू से पहले डिग्री हासिल करने का प्रूफ देना होगा।

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 वर्ष
अधिकतम : 40 वर्ष
आरपीएससी नियमों के अनुसार आयु में छूट दी जाएगी।

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू

सैलरी :
पे मैट्रिक्स लेवल - 12 के अनुसार

फीस :
सामान्य : 600 रुपए
ओबीसी/बीसी : 400 रुपए
एससी/एसटी : 400 रुपए

जरूरी डॉक्यूमेंट्स :
शैक्षणिक योग्यता की मार्कशीट
उम्मीदवारों का आधार कार्ड
जाति प्रमाण पत्र
मूल निवास प्रमाण पत्र
उम्मीदवार की पासपोर्ट साइज फोटो
उम्मीदवार के सिग्नेचर
मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in पर जाएं।
रिक्रूटमेंट पोर्टल में जूनियर केमिस्ट के लिए अप्लाई लिंक पर क्लिक करें।
आवेदन फॉर्म में पूछी गई सभी जानकारी दर्ज करें।
जरूरी डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
अपनी कैटेगरी के अनुसार फीस का भुगतान करें।
फॉर्म सब्मिट करें। इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

रेलवे में 9900 पदों पर निकली भर्ती; 10 अप्रैल से शुरू आवेदन, 10वीं पास करें अप्लाई

रेलवे में असिस्टेंट लोको पायलट के 9900 पदों पर भर्ती निकली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

पोस्ट : 9900 पदों पर

पद : असिस्टेंट लोको पायलट

आवेदन शुरु:
10 अप्रैल से 9 मई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
10वीं पास
संबंधित ट्रेड में आईटीआई की डिग्री
अन्य पदों के लिए इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 वर्ष
अधिकतम : 30 वर्ष
आयु की गणना 1 जुलाई 2025 को आधार मानकर की जाएगी।
सभी आरक्षित वर्गों को सरकारी नियमों के अनुसार अधिकतम उम्र में छूट दी गई है

फीस :
सामान्य, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 500 रुपए
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग, भूतपूर्व सैनिक, सभी महिला : 250 रुपए

सैलरी :
19,900 रुपए प्रतिमाह
सिलेक्शन प्रोसेस :
सीबीटी फर्स्ट और सीबीटी सेकेंड एग्जाम
सीबीएटी
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल एग्जाम

एग्जाम पैटर्न :
कंप्यूटर बेस्ड एग्जाम सीबीटी फर्स्ट में मैथ्स, मानसिक योग्यता, सामान्य विज्ञान और सामान्य जागरूकता से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे।
हर प्रश्न एक अंक का होगा जिसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट दिए जाएंगे।
सीबीटी सेकेंड एग्जाम पार्ट 1 में गणित, जनरल इंटेलिजेंस व रीजनिंग, बेसिक साइंस और इंजीनियरिंग से संबंधित 100 प्रश्न पूछे जाएंगे।
इसे सॉल्व करने के लिए 90 मिनट का टाइम मिलेगा।
पार्ट 2 में टेक्निकल से संबंधित 75 प्रश्न पूछे जाएंगे। इसे सॉल्व करने के लिए 60 मिनट का समय दिया जाएगा।
सीबीटी एग्जाम में नेगेटिव मार्किंग एक तिहाई रहेगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट indianrailways.gov.in पर जाएं।
संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।
अपना नाम, ईमेल पता, मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी दर्ज करें।
बर्थ सर्टिफिकेट सहित जरूरी डाक्यूमेंट्स की स्कैन कॉपी अपलोड करें।
रजिस्ट्रेशन फीस जमा करें।
फाइनल सब्मिट कर सेव कर लें या प्रिंटआउट ले लें।

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकनॉमिक सर्विस भर्ती 2025: प्रोफेशनल्स के 26 पदों पर निकली वैकेंसी

रेल इंडिया टेक्निकल एंड इकनॉमिक सर्विस (RITES) ने 2025 के लिए विभिन्न प्रोफेशनल पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। यह भर्ती रेसिडेंट इंजीनियर, स्ट्रक्चरल इंजीनियर और इंस्पेक्टर समेत कुल 26 पदों के लिए है। इन पदों के लिए बी.टेक/बी.ई या डिप्लोमा योग्यता रखने वाले उम्मीदवार आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 2 अप्रैल 2025 से शुरू हो चुकी है और आवेदन की अंतिम तिथि 21 अप्रैल 2025 सुबह 11 बजे तक है। इन पदों के लिए इच्छुक अभ्यर्थी RITES की आधिकारिक वेबसाइट rites.com के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

भर्ती विवरण: कुल पद: 26
रेसिडेंट इंजीनियर: 20 पद
स्ट्रक्चरल इंजीनियर: 1 पद
इंस्पेक्टर-II: 3 पद
इंस्पेक्टर-II (सिविल): 1 पद
इंस्पेक्टर-II (मैकेनिकल): 1 पद

शैक्षणिक योग्यता: उम्मीदवारों के पास मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित क्षेत्र में बी.टेक/बी.ई या डिप्लोमा होना चाहिए। आयु सीमा: अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष है (21 अप्रैल 2025 की स्थिति में)। आरक्षित वर्ग को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी।

आवेदन शुल्क: इंस्पेक्टर पदों के लिए –
सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस: ₹300 + टैक्स
एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी: ₹100 + टैक्स
अन्य पदों के लिए कोई आवेदन शुल्क नहीं है।

चयन प्रक्रिया: इन पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा प्रस्तावित है, जो 4 मई 2025 को आयोजित की जा सकती है। इच्छुक और पात्र उम्मीदवार

कन्फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का व्यापारिक संवाद एवं सम्मान समारोह आयोजित

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। शहर में रविवार को राष्ट्रीय व्यापारिक संगठन कन्फैडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) का व्यापारिक संवाद एवं सम्मान समारोह शहर के एक निजी रिसॉर्ट में आयोजित किया गया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष मनोज ड्रोलिया ने बताया कि बारां-व्यापारिक संवाद एवं सांसद अभिनंदन कार्यक्रम में, कैट राष्ट्रीय महामंत्री एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल दिल्ली चांदनी चौक से सांसद बनने के बाद प्रथम बार बारां आगमन हुआ। दो दिवसीय हाड़ौती प्रवास के तहत बारों में शुभम रिजॉर्ट तेल फैक्ट्री पर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें चेयरमैन राजस्थान चैप्टर कैट, सुरेश पाटोदिया, प्रदेश उपाध्यक्ष सीए अरविंद गोयल आदि प्रदेश एवं राष्ट्रीय पदाधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम में ऑनलाइन मार्केटिंग से मुकाबला, जीएसटी की समस्या समेत आदि व्यापारिक चर्चाए की गई।

जिला महामंत्री पराग टोंग्या ने बताया कैट बारां की ओर से एक व्यापारिक संवाद अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें व्यापारियों को व्यापारिक समस्याओं, कैट के बारे में संक्षिप्त परिचय, सभी व्यापारिक संगठनों को एकजुट होकर काम करने समेत आदि विषय पर बातचीत की गई। जिलाध्यक्ष राधेश्याम

गर्ग ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। विष्णु गुप्ता नेशनल गवर्निंग कॉउन्सिल सदस्य ने बताया कि प्रवीण खंडेलवाल के बारां पहुंचने पर भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने पत्रकार वार्ता की गई फिर जिले भर से आए 500 से अधिक व्यापारियों के साथ व्यापारिक संवाद किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रवीण खंडेलवाल ने बताया कि यह वर्ष कैट व्यापारिक सम्मान वर्ष के रूप में मना रहा है साथ ही कैट व्यापारिक हित में एक देश एक चुनाव को समर्थन करता है

मंच संचालन नीरज जैन ने किया।कार्यक्रम में राष्ट्रीय पदाधिकारी अशोक माहेश्वरी, अनिल मूंदड़ा, हेमंत प्रभाकर, कैलाश लखानी, अशोक भारद्वाज, राजीव मालिक, इस्मीता ओझा, श्रीमती वेणु गोपाल, विधायक राधेश्याम बैरवा, सुमन ड्रोलिया प्रभारी कोटा उदयपुर संभाग महिला प्रभारी, मनोज मारू कोटा संभाग प्रभारी कैट, हितेश सोनी नगर महामंत्री कैट, सुरेश गोयल नगर अध्यक्ष कैट, राकेश जैन प्रदेश संभाग सचिव कैट, राकेश सेठी, मनोज बाठला, रमेश गेरा जिला कोषाध्यक्ष, धीरज मित्तल, प्रवक्ता बृजमोहन मेहता, धीरज हल्दिया, विष्णु साबू, हरिओम अग्रवाल, जिग्निशा पतिरा सचिव महिला विंग, चंदा ठाकुरिया, चारु गुप्ता, ललिता टोंगया, अनिता सेठी, मंजू गोयल, रजनी मित्तल, सुनीला अग्रवाल, लवली खंडेलवाल, त्रिलोक सोनी, राकेश सेठी, माजिद सलीम, मनीष लश्करी, आशीष गालव, प्रदीप मारू, सुरेंद्र गुप्ता, भीम चौधरी, महेश नागर, महेंद्र गोयल, हरिमोहन गोयल, ऋषि विजय ,गुणवंत पटौदी,दिनेश गर्ग, अम्बिका शर्मा, राजकुमार खिंची, राजीव अग्रवाल, मुरारी राठौर, रवि अग्रवाल, जय पतिरा, आशीष गालव, धीरज तिवारी, आदित्य जैन, पंकज ड्रोलिया, निशांत सेठी, पप्पू पटौदी, कमल झालावाड़ी, विनय जालान, मोहित गोयल, यश गोयल, प्रकाश मेहता, गिरीश त्यागी, त्रिवेद गोयल, अमित जैन, प्रदीप बंसल, अखिलेश मंगल, अरुण गर्ग समेत कई कस्बों से सदस्य पहुंचे।

वसुन्धरा राजे ने उत्तर भारत के तीसरे बड़े रनवे वाले झालावाड़ एयरपोर्ट से भरी पहली उड़ान

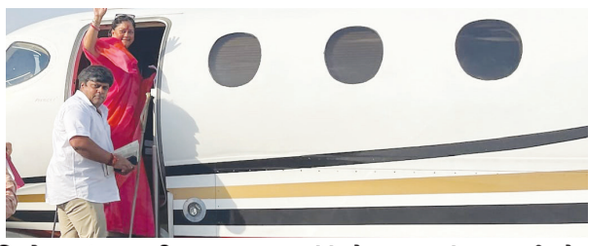

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। झालावाड़ का पंडित दीन दयाल उपाध्याय एयरपोर्ट बनकर तैयार है,पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे व सांसद दुष्यंत सिंह ने 12 अप्रैल को इस एयरपोर्ट से दिल्ली की पहली उड़ान भरी। जेट विमान की इस उड़ान के बाद अब झालावाड़ हवाई सेवा से जुड़ गया है। पहली उड़ान के लिए हनुमान जयंती का अवसर चुना गया क्योंकि हनुमान जी को पवन के वेग से भी तेज उड़ने में महारत हासिल थी। उल्लेखनीय है कि इस एयरपोर्ट का रनवे 3 हजार 120 मीटर लंबा है, जहाँ बोइंग 747 जैसे जंबोजेट भी आसानी से उतर सकते है। इतना लंबा रनवे झालावाड़ एयरपोर्ट के अलावा सिर्फ़ उत्तर भारत के जालंधर तथा कुशीनगर जैसे बड़े शहरों में ही है। इस दौरान पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हमारे ड्रीम प्रोजेक्ट झालावाड़ एयरपोर्ट से पहली उड़ान भर कर अभिभूत हूँ। इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का आभार। उन्होंने कहा यातायात के लिए चार मार्ग होते है। सड़क, रेल, हवाई और जल मार्ग।जब मैं पहली बार यहां से सांसद बनी, तब इस क्षेत्र में सड़क मार्ग बहुत कम थे और जो थे वह भी दुरुस्त नहीं थे।आज चारों तरफ़ चमचमाती सड़के हैं।रेल और हवाई सेवा भी है। अगर यहाँ समुद्र होता तो क्रूज़ जहाज़ भी चल जाता। इस दौरान जिला प्रमुख प्रेम बाई दांगी, मनोहरथाना विधायक गोविन्द रानीपुरिया, डग विधायक कालूराम मेघवाल, अन्ता बारां विधायक कंवरलाल मीणा, आरपीएससी के पूर्व चौयरमेन श्याम सुन्दर शर्मा, पूर्व विधायक नरेंद्र नागर, जिला कलक्टर अजय सिंह राठौड़, पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर, उप वन संरक्षक सागर पंवार, जिलाध्यक्ष हर्षवर्धन शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष संजय जैन, नगर परिषद् सभापति संजय शुक्ला, उप सभापति प्रदीप सिंह राजावत,जिला परिषद् के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शम्भुदयाल मीणा, झालरापाटन प्रधान भावना झाला, रंजिता पांडे, मंडल अध्यक्ष चन्द्रमोहन धाभाई सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

होली और ईद मिलन समारोह में प्रहलाद गुंजल का संबोधन

डॉ. तौहीद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंजमंडी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों द्वारा सुकेत में आयोजित होली और ईद मिलन समारोह में पूर्व विधायक और लोकसभा प्रत्याशी प्रहलाद गुंजल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। महेन्द्र राजोरिया विशिष्ट अतिथि थे, जबकि ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह गोयंदा ने अध्यक्षता की। इस समारोह में कई प्रमुख नेताओं ने अपने विचार व्यक्त किए, जिनमें ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत तिवारी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष अब्दुल सलाम, मुश्ताक अंग्रेज, नगरपालिका उपाध्यक्ष रमेश मीणा गुड़, पूर्व उपप्रधान राजेंद्र सिंह सिसोदिया, पूर्व सरपंच घांसीलाल मरमठ, प्रताप फ्रांसिस, ब्लॉक महामंत्री संघटन कमल गुर्जर, अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय सचिव जसविंदर सिंह विक्की, और निवर्तमान मंडल अध्यक्ष प्रहलाद राठौर शामिल थे। इस कार्यक्रम का संचालन अब्दुल रऊफ सर ने किया। पूर्व विधायक प्रहलाद गुंजल ने कहा कि वर्तमान समय में देश किस दिशा में जा रहा है, इस पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता को बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है, और कुछ लोग सनातन शब्द का अर्थ भी गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी धार्मिक ग्रंथ यही कहते हैं कि ईश्वर एक है। गुंजल ने यह भी कहा कि

वर्तमान सरकार धर्म के आधार पर समाज को बांटने का काम कर रही है, जबकि कांग्रेस की विचारधारा राष्ट्रीय एकता को बनाए रखने की है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का संविधान ही कांग्रेस की विचारधारा का प्रतीक है और यह संविधान समाज में एकता और समानता का प्रतीक है।

विशिष्ट अतिथि महेन्द्र राजोरिया का विचार: महेन्द्र राजोरिया ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान सरकार प्रशासन के दबाव से कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सुकेत को बदनाम करने की साजिश की जा रही है, और जहां से सत्ताधारी पार्टी का उपप्रधान चुना गया, वहां के लोगों को अपमानित किया जा रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों के लिए तैयार रहें क्योंकि जनता कांग्रेस के साथ है और सामाजिक समरसता के लिए कांग्रेस को सत्ता सौंपने का इच्छुक है। ब्लॉक अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह गोयंदा ने कहा कि कार्यकर्ताओं के काम की समीक्षा की जा रही है और उनके कार्य के आधार पर निकाय चुनावों में टिकिट दिए जाएंगे।

कार्यकर्ताओं के मेहनत और समर्पण को सम्मान मिलने की बात उन्होंने की। कार्यक्रम में शांति अहिंसा विभाग के सत्यनारायण खटीक, ब्लॉक उपाध्यक्ष मनीष जलखरे, जहांगीर खान, वकार अहमद (महासचिव), पिंटू मेहरा, रईस हनोंतिया, बाबर हसन, पूर्व उपसरपंच फुरकान भाई, सावन ललावत, शाहरुख खान, आसिफ, शहजाद भाई, इश्तियाक भाई, पीपाखेड़ी पंचायत अध्यक्ष जयनारायण कारपेंटर, अरनियाकला पंचायत अध्यक्ष राजाराम गुर्जर, रवि गौतम, राजा भाई, चाँदू भाई, इमरान, तनवीर, घनश्यार्जर, दुर्गा, नईम समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग ने किया जुलूस का स्वागत

बारां, (रॉयल पत्रिका)। शहर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी ने जानकारी देते हुए बताया की अंजुमन चौराहा पर जिला कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग की जानिब से अल्पसंख्यक विभाग के जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी के नेतृत्व में हनुमान जयंती पर ठंडा पानी पिलाकर पुष्पवर्षा कर जुलूस का स्वागत किया गया। जुलूस में उपस्थित पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया, पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल सहित अन्य लोगों का मोतियों की माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस दौरान अल्पसंख्यक विभाग वरिष्ठ नेता जाकिर मंसूरी, अंता नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन मुस्तुफा खान, हाजी अब्दुल गनी, हाजी लियाकत अली मेव, मोहम्मद इकबाल मल्लू भाई, पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज, हमीद भाई टेंट, शायर रईस फैजी, जाकिर खिलजी, शारिक खान अंता, पार्षद परवेज खान, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, एडवोकेट रईस हाशमी, शेरू खान, जुनैद अंसारी, अनवर हुसैन, रशीद लोढ़ी, अखलाक काजी, अशफाक सफदर, मुन्ना पठान, इशरत खान, अकील शादाब, रिंकू सूरमा, वसीम खान, तौफीक लोढ़ी, बूंदू मंसूरी, इंसाफ मंसूरी, अरशद खान आदि अल्संख्यक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राजसी ठाठबाट और लावलश्कर के साथ बारां जिले की 35 वीं वर्षगांठ पर शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। बारां जिले की स्थापना के बाद 35वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित बारां महोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को जिला मुख्यालय पर ऐतिहासिक और भव्य शोभायात्रा निकाली गई। बैंण्डबाजों की धुन पर राजसी ठाठबाट और ऊंट-घोड़ों के लावलश्कर के साथ निकली शोभायात्रा में जिले की गौरवशाली संस्कृति साकार हो उठी। शोभायात्रा में जिले की वैभवमयी परम्पराओं का संगम झलका। शोभायात्रा जिले की सांस्कृतिक धरोहर और सामाजिक समरसता से सरोबार रही। पारंपरिक वेशभूषा, लोक कलाओं और विविध झांकियों ने इस आयोजन को अनूठा बना दिया। रंगबिरंगी पगड़ियों में शामिल लोगों से शोभायात्रा की छटा देखते बन रही थी।

आरती और तोप की गूंज के साथ हुई शुरूआत

शोभायात्रा का शुभारंभ दोपहर बाद करीब साढ़े चार बजे शहर के ऐतिहासिक प्यारेरामजी मंदिर से हुआ। इससे पूर्व वरिष्ठजनों सहित जनप्रतिनिधियों, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों व आमजन का साफा बंधन किया गया। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों द्वारा कविता पाठ का आयोजन किया गया।

गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति से बढ़ी शोभा

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा, छबड़ा विधायक प्रताप सिंह सिंघवी, जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर, पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी, समाजसेवी नरेश सिंह सिकरवार, पूर्व जिला प्रमुख नंदलाल सुमन तथा आनंद गर्ग सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण, विभिन्न संगठनों के मुखिया व गणमान्यजन शामिल रहे। इनकी सहभागिता ने आयोजन को भव्यता और गरिमा प्रदान की।

जगह-जगह गर्मजोशी से स्वागत

शोभायात्रा धर्मादा चौराहा, प्रताप चौक, श्रीराम स्टेडियम, चारमूर्ति चौराहा होते हुए खेल संकुल मैदान तक पहुंची। मार्ग में विभिन्न संगठनों, व्यापारियों व आमजन ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा, माल्यार्पण, आतिशबाज़ी, लस्सी, कोल्ड ड्रिंक आदि से जगह-जगह उत्साह और गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। विधायकों, जनप्रतिनिधियों व जिला कलक्टर का पुष्पहारों से आत्मीय अभिनंदन किया। शोभायात्रा को देखने के लिए पूरे मार्ग पर आमजन की भीड़ लगी रही।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती

14 अप्रैल, 2025

भारतीय संविधान निर्माता और भारत रत्न
बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी की जयंती पर शत-शत नमन

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

राजस्थान संवाद

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू की बैठक सम्पन्न

चूरू, (रॉयल पत्रिका) इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी, चूरू की आम सभा की बैठक अंसारी वाटर पार्क, रतनगढ़ रोड, चूरू में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ समाज सुधारक और शिक्षाविद अब्दुल सत्तार अंसारी ने की।

सभा में उपस्थित सभी सदस्यों ने इस प्रस्ताव पर सहमति जताई कि सोसाइटी को ज़िला प्रशासन के साथ बेहतर तालमेल रखते हुए काम करना चाहिए ताकि समाज में अमन, शांति और भाईचारे का माहौल कायम रहे।

बैठक में वक्फ बिल पर भी चर्चा की गई। तय किया गया कि इस मुद्दे पर सोसाइटी की ओर से एक ज्ञापन तैयार कर प्रशासन को सौंपा जाएगा। इसके लिए पांच सदस्यीय समिति गठित की गई है जो शीघ्र ही ज्ञापन प्रस्तुत करेगी।

शिक्षा को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। तय किया गया कि स्कूलों के रिजल्ट आने के बाद होनहार बच्चों के लिए एक प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा ताकि उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके और दूसरे बच्चे भी प्रेरित हों।एक प्रस्ताव यह भी आया कि क्राउड फंडिंग के माध्यम से जरूरतमंद और ग़रीब लोगों की मदद की जाए। इस प्रस्ताव को अंतिम निर्णय के लिए कार्यकारिणी पर छोड़ दिया गया।

बैठक में हाजी चांद मोहम्मद छिपा और उम्मेद खान डीडवाना की मगफिरत के लिए दुआ की गई। बैठक में अध्यक्षता कर रहे अब्दुल सत्तार अंसारी के साथ-साथ शौकत अली खान झारिया (पूर्व एडिशनल कमिश्नर), अयूब खान (रिटायर्ड एडिशनल एसपी), हाजी याकूब थीम, डॉ एफ एच गौरी, डॉ एम एम शेख, सैयद आरिफ कमाल, रियाज खान, डॉ शमशाद अली, डॉ कादिर, प्रिंसिपल आरिफ खान, उस्मान अंसारी, रमजान खान समेत कई प्रबुद्ध लोगों ने अपने विचार रखे।

इसके अलावा डॉ गफ्फार खान, मोहम्मद सादिक खान, गुलाम मोहिउद्दीन, सलीम खान, मोहम्मद अली पठान, आरिफ खान अखान, मुजस्सियम भाटी, समीर खान, मोहम्मद वसीम भाटी, करामत अली खान, ओवैस कुरैशी, मोहम्मद आरिफ खां मुनयान, उस्मान लीलगर, हबीब डायर, इरफान अंसारी आदि लोग भी उपस्थित रहे। बैठक का संचालन प्रिंसिपल आरिफ खान ने किया और संस्था के अध्यक्ष शौकत अली खान झारिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अखिलेश मेड़तवाल बने रामगंजमंडी पालिका चेयरमैन

डॉ. तौहीद

रामगंजमंडी, (रॉयल पत्रिका): रामगंजमंडी नगरपालिका की कमान अब भाजपा के पार्षद अखिलेश मेड़तवाल के हाथों में है। स्वायत्त शासन विभाग ने मंगलवार को कांग्रेस के चेयरमैन देवीलाल सैनी और वाइस चेयरमैन रमेश कुमार मीणा को निलंबित कर दिया था। इसके बाद बुधवार सुबह एक आदेश जारी किया गया, जिसमें भाजपा के अखिलेश मेड़तवाल को 60 दिन के लिए अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया। बुधवार शाम को मेड़तवाल ने नगरपालिका में कार्यभार ग्रहण किया।

दिसंबर 2020 में हुए नगरपालिका चुनाव में देवीलाल सैनी को चेयरमैन और रमेश कुमार मीणा को वाइस चेयरमैन बनाया गया था, और तब से दोनों अपने पदों पर बने हुए थे। स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक इंद्रजीत सिंह द्वारा जारी आदेश में बताया गया कि चेयरमैन सैनी ने कॉलोनाइजर को फायदा पहुंचाने के लिए नियमों के खिलाफ 12 भूखंडों के पट्टे जारी किए, जिसके कारण उनका निलंबन हुआ। वहीं, उपाध्यक्ष रमेश कुमार मीणा को पालिका की भूमि पर स्वयं और उनके परिजनों द्वारा अतिक्रमण करने के मामले में निलंबित किया गया।

अखिलेश मेड़तवाल की प्राथमिकताएँ: नए पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेड़तवाल ने मंत्री मदन दिलावर के निर्देशानुसार शहर की सफाई व्यवस्था को सुधारने और अतिक्रमण हटाने की योजना बनाई है।

उन्होंने कहा कि, "हम पूरे शहर को नियमित रूप से साफ रखने के लिए विशेष प्लान बनाएंगे और अतिक्रमण मुक्त शहर बनाने के लिए भी ठोस कदम उठाएंगे।" पदभार ग्रहण करने से पहले अखिलेश मेड़तवाल ने अपने समर्थकों के साथ शहर में जुलूस निकाला। जयपुर से रामगंजमंडी आने के बाद उनका कई जगहों पर स्वागत किया गया। वे थाना चौराहे से होते हुए मुख्य मार्गों से गुजरते हुए नगरपालिका पहुंचे। वहां उन्होंने सबसे पहले पालिका की चौखट पर नमन किया और फिर अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण किया।

चार साल बाद अध्यक्ष पद की कुर्सी पर वापसी: दिसंबर 2020 में हुए नगरपालिका चुनाव में अखिलेश मेड़तवाल को 15 मत मिले थे, जबकि देवीलाल सैनी को 25 मत मिलकर चेयरमैन बने थे। अब करीब सवा चार साल बाद मेड़तवाल को यह पद मिला है और वे वार्ड 11 के भाजपा पार्षद के रूप में अध्यक्ष बने हैं।

झालावाड़ कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष राघुराज सिंह हाड़ा ने राजस्थान सरकार से की मांग

फिरोज खांन वारसी-

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष राघुराज सिंह हाड़ा ने राजस्थान सरकार से मांग की है कि जब तक झालावाड़ नियमित हाईवे सेवा से नहीं जुड़ जाता मण्डावर, खानपुर, बारां की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए पुराना तीन किलोमीटर छोटा सड़क मार्ग खोल दिया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिदिन सैकड़ों मजदूर, सब्जी बेचने वाले,नौकरी करने व इलाज करवाने झालावाड़ आते जाते है। तीन किलोमीटर हवाई पट्टी बनाते समय बताया गया था कि यहां वोइंग 747 व एयर बस जैसे विमान मरम्मत के लिए आएंगे, लेकिन बगैर कोई एम.ओ.यू. किए जनता के करोड़ों रूपये अंधे कुएं में डाल दिए गए। आज तो कोई फ्लाइंग क्लब भी नहीं आ रहा जिसे मात्र 500 मीटर पट्टी की जरूरत होती है।

हाड़ा ने 12 अप्रैल को कहा कि सामान्य आदमी का काम रेल और सड़क मार्ग से ज्यादा पड़ता है, झालावाड़ को नीमथूर से फोरलेन से जोड़ा जाए ताकि दिल्ली, बम्बई मार्ग से झालावाड़ जुड़ सके। गंगानगर से केवल तीन दिन रेल झालावाड़ सिटी आती है, पूरे सप्ताह करवाएं, हिसार से कोटा आने वाली ट्रेन पूरे सप्ताह पूरे दिन कोटा खड़ी रहती है उसे लाया जाए, तीन दशकों में जे.के. उद्योग के बाद धागा फैक्ट्री बन्द हो गई,रोजगार के अवसरों पर जनप्रतिनिधि भी ध्यान दें।

इंसानियत एकता सेवा समिति द्वारा गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित इंसानियत एकता सेवा समिति के संस्थापक करामत खान ने बताया कि गर्मी को देखते हुए पक्षियों के लिए पानी पीने के लिए परिंडे लगाए गए और साथ में ही चुग्गा- दाना की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि हमने जहां पर भी शहर में एवं देहात में परिंडे लगाए हैं वहां पर हमारे कार्यकर्ताओं को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में कायमखानी छात्रावास में पक्षियों के दाना पानी के लिए परिंडे लगाए गए। कायमखानी महासभा चूरू जिला अध्यक्ष मुन्शी खान चांदखानी ने भीषण गर्मी एवं पेयजल की समस्या को देखते हुए छात्रावास में बीस परिंडे लगाए। इस अवसर पर महासभा चूरू सचिव रमजान खान जौईया, कायमखानी छात्रावास टीम चूरू अध्यक्ष

जब्बार खान अल्फखानी, जाकिर खान केके, गफ्फार खान ऐलमान, इकबाल खान कबीरखानी, जावेद खान ऐडवोकेट, अजीज खान दिलावरखानी, अख्तर खान रूकनखानी, शकील दुर्रानी, जाफर खान, आदिल खान ऐलमान, महबूब खान नसवाण, भंवरू खान ठेकेदार, यूसुफ खान, महमूद खान ऐलमान, आरिफ खान ऐलमान प्रिंसिपल, सबीर खान (अगुणा मोहल्ला), साबिर खान, अहसान खान आदि लोग मौजूद थे। इंसानियत ट्रैक्टर सेवा समिति के सुलेमान मनियार व जाफर खान ने बताया कि हमने तीन दिवस से अभियान के तहत 300 से अधिक परिंडे शहर व देहात में लगाए हैं और कई जगह पर प्याऊ की व्यवस्था भी की है। जिसमें नई सड़क पर, पुरानी सड़क पर, रेलवे कब्रिस्तान, ताजुशाह तकिया, आपणी योजना, भरतीया हॉस्पिटल, पंचायत समिति, नई कब्रिस्तान, उस्मानाबाद कॉलोनी, पार्क आदि जगहों पर परिंडे लगाए गए।।

वक़्फ़ कमेटी ने किया कांग्रेस नेताओं का स्वागत

बारां, (रॉयल पत्रिका)। हनुमान जयंती के अवसर पर शनिवार 12 अप्रैल को राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री प्रमोद भाया ओर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल का स्वागत किया। वक़्फ़ कमेटी के प्रवक्ता शोएब अख्तर ने जानकारी देते हुए बताया कि हनुमान जयंती के अवसर पर पूर्व मंत्री प्रमोद भाया ओर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल सहित कई लोग पदयात्रा करते हुए पिछले कई सालों से बारां से बड़ा तक जाते है। इसी बीच जगह - जगह पद यात्रियों का स्वागत किया जाता है। जुलूस के वक़्फ़ कमेटी कार्यालय मांगरोल रोड पर पहुंचने पर वक़्फ़ कमेटी के चेयरमैन इरफान अंसारी के नेतृत्व में स्वागत किया गया।चैयरमेन इरफान अंसारी ने बताया कि भाया जी के साथ सेंकडो की

संख्या में लोग पैदल जाते है इसी के लिए वक़्फ़ कमेटी ने जूस ओर ठंडे पानी की बोतल की व्यवस्था की ओर पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया उसके बाद पूर्व मंत्री प्रमोद भाया ओर पूर्व विधायक पानाचंद मेघवाल जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रामचरण मीणा ओर महामंत्री कैलाश जैन का भी शॉल उड़ा कर स्वागत किया। इस दौरान अब्दुल अजीज अंसारी, हाजी अनवर अली, अब्दुल रशीद पठान, हक्का भाई, सेकेट्री रईस अहमद, पार्षद परवेज खान, पार्षद अहमद शरीफ, पार्षद प्रतिनिधि समीर खान, छात्रसंघ महासचिव साज़िद खान, शाकिर खान, याकूब खान, रईस मंसूरी, वसीम अंसारी, जावेद गौरी, मोइन बाबा आदि लोग मौजूद रहे।

रामगंज मंडी नगर पालिका अध्यक्ष बने अखिलेश मैडतवाल का डॉ. तौहीद ने किया अभिनन्दन

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। रामगंज मंडी के अखिलेश मैडतवाल का समाजसेवी डॉक्टर अब्दुल रऊफ तौहीद (जर्नलिस्ट एसोसिएशन ऑफ़ राजस्थान, रॉयल पत्रिका रिपोर्टर) ने नवनियुक्त नगर पालिका अध्यक्ष अखिलेश मैडतवाल का माला पहनकर स्वागत किया एवं आशीर्वाद दिया।

सौर उर्जा संयंत्र स्थापना वाले कृषक ऑनलाईन आवेदन से योजना का लाभ लें

पाली, (रॉयल पत्रिका)। उद्यान आयुक्तालय राजस्थान जयपुर के आदेश की अनुपालना में प्रधानमंत्री किसान सौर उर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान के तहत सौर उर्जा पंप संयंत्र स्थापना के लिए वित्तिय वर्ष 2025-26 में जिले को दिशा-निर्देश प्राप्त हुए हैं। उद्यान विभाग के उपनिदेशक डॉ. मनोज अग्रवाल ने बताया कि विभागीय दिशा-निर्देशानुसार 35 व 7.5 एचपी के एसी/डीसी सौर उर्जा पम्प संयंत्रों पर अनुदान का प्रावधान है। साथ ही 7.5 एचपी डीसी/एसी पम्प क्षमता के सौलर पम्प स्थापना पर यांछित भूमि की आवश्यकता न्यूनतम 0.4 हेक्टेयर की गई है तथा अनुसूचित जनजाति क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति कृषकों हेतु 3 4 5 एचपी एसी/डीसी संयंत्र हेतु 0.20 हैक्टेयर की आवश्यकता है। कृषक अपने नजदीकी ई-मित्र/स्वयं के स्तर से जनआधार द्वारा राजकिसान पोर्टल पर अपनी पत्रावली को ऑनलाईन करवाकर योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन के समय जमाबन्दी (6 माह से पुरानी न हो तथा डिजीटल हस्ताक्षरित / पटवारी से प्रमाणित) तथा कुओं/ट्यूबवेल / जलस्त्रोत का प्रमाण है। पत्र के साथ अनुमोदित फर्मों में से किसी एक फर्म का चयन किया जाना आवश्यक है। सौर उर्जा पम्प संयंत्र के लिये वही कृषक आवेदन के लिए पात्र होंगे। जिनके नाम से खेत पर बिजली कनेक्शन नहीं होगा।

हिन्दुस्तान ज़िंक ने अब तक देश के ख़ज़ाने में 1.7 लाख करोड़ का योगदान दिया- अनिल अग्रवाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। वेदांता के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि 23 साल पहले भारत की ग्रोथ का एक नया दौर शुरू हुआ था।ज़िंक जैसे क्रिटिकल मेटल की डिमांड हाई थी, पर प्रोडक्शन बहुत कम। उस समय भारत, ज़िंक इम्पोर्ट करता था, और उस पर 40% की भारी ड्यूटी लगती थी।सौभाग्यवश, 2002 में सरकार ने एक बोल्ड स्टेप लिया, हिन्दस्तान ज़िंक को प्राइवेटाइज़ किया और वेदांता को मौक़ा दिया।

बस एक ही साल में, बिना किसी रिट्रेंचमेंट के, टेक्नोलॉजी और एक्सपर्ट्स की मदद से, प्रॉफिट 113.58% बढ़ गया।

आज, मुझे गर्व है यह कहने में, कि 'हिन्दस्तान ज़िंक लिमिटेड' भारत की ही नहीं, संसार की लार्जेस्ट इंटीग्रेटेड ज़िंक प्रोड्यूसर है। भारत में सिल्वर का भी प्रोडक्शन बहुत कम था, पर हमारे इंजीनियर्स और एक्सपर्ट्स ने अनुसंधान कर, सिल्वर का प्रोडक्शन भारत में 15 गुना बढ़ाया। राजस्थान में लाखों लोगों को रोज़गार मिला और 1000 से अधिक एलाइड इंडस्ट्रीज़ खड़ी हो गईं। आज तक,हिन्दस्तान ज़िंक ने देश के ख़ज़ाने में लगभग 1.7 लाख करोड़ रूपयों का योगदान दिया है। आर्थिक और सामाजिक समृद्धि के साथ-साथ पर्यावरण में सुधार हुआ, और राजस्थान जैसा सनशाइन स्टेट और भी चमक उठा।

अब तक का ये सफ़र बहुत ही अमेज़िंक रहा है और, ये तो बस शुरुआत है।

हिन्दस्तान ज़िंक लिमिटेड, वेदांता समूह की कंपनी है, विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत ज़िंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर चांदी की तीसरी सबसे बड़ी उत्पादक कंपनी है। भारत में प्राथमिक ज़िंक बाजार में 75% की प्रमुख हिस्सेदारी के साथ, कंपनी दुनिया भर के 40 से अधिक देशों में अपने उत्पादों की आपूर्ति करती है।

अपनी उद्योग-अग्रणी प्रथाओं के लिए पहचाने जाने वाले, हिन्दस्तान ज़िंक एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2024 द्वारा लगातार दूसरे वर्ष मेटल और माइनिंग सेक्टर में विश्व की सबसे सस्टेनेबल कंपनी है। यह मान्यता संचालन, नवाचार और पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) मानकों में कंपनी की उत्कृष्टता को दर्शाती है।स्थायी उत्पादन की दिशा मंअ एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, कंपनी ने इकोजेन-

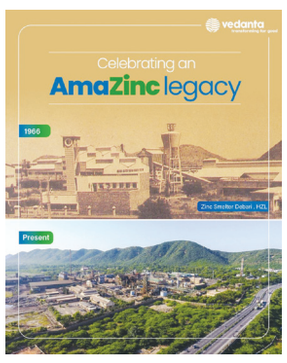

एशिया का पहला कम कार्बन वाला "ग्रीन" ज़िंक ब्रांड पेश किया है। रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग कर उत्पादित, इकोजेन में प्रति टन ज़िंक में 1 टन से भी कम सीओ 2 के बराबर कार्बन फुटप्रिंट है, जो वैश्विक औसत से लगभग 75% कम है। हिन्दस्तान एक प्रमाणित 2.41 गुना वाटर पॉजिटिव कंपनी भी है और 2050 या उससे पहले नेट जीरो एमिशन्स प्राप्त करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है। इसका सामाजिक प्रभाव भी उतना ही सराहनीय है, जिसने लक्षित सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से 1.9 मिलियन लोगों के जीवन को सकारात्मक रूप से लाभान्वित किया है, जिससे इसे भारत की शीर्ष 10 सीएसआर कंपनियों में स्थान मिला है।

होराईजन हाईट्स वर्ल्ड स्कूल का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय स्थित उस्मानाबाद कॉलोनी में होराइजन हाइट्स वर्ल्ड स्कूल का शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य आकर्षण पूर्व प्रधान प्रतिनिधि विक्रम सिंह कोटवाद, राजकीय महाविद्यालय रामगढ़ के प्राचार्य डॉ. जेबी खान, एडिशनल सीएमएचओ डॉ. अहसान गौरी, असिस्टेंट प्रोफेसर जावेद खान, पोक्सो न्यायालय में पूर्व विशिष्ट लोक अभियोजक एडवोकेट वरूण सैनी, आल युवा मुस्लिम समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष संजय खान, सीनियर लीगल एडवाइजर अयूब खान, शिक्षाविद् शमशेर खान, युवा कांग्रेस अध्यक्ष आसिफ खान, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय प्रवक्ता एडवोकेट सद्दाम हुसैन, समाजसेवी जाकीर खान के के,

साजिद टांक तारानगर, भीलू सिंह इत्यादि मंचस्थ अतिथि थे। शुभारंभ कार्यक्रम में होराइजन हाइट्स वर्ल्ड स्कूल चूरू के निदेशक सिराज नागरा ने स्वागत भाषण दिया। मुख्य अतिथि विक्रम सिंह कोटवाद ने कहा की वर्तमान समय में शिक्षा की महती आवश्यकता है इस शिक्षण संस्थान की स्थापना से उस्मानाबाद कालोनी में गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा मिल सकेगी उन्होंने शिक्षण संस्थान की सफलता की कामना की ।इस अवसर पर पार्षद शाहरुख खान, एडवोकेट मोहम्मद आसिफ, आदिल खान, इस्माइल भाटी, सय्यद नोमान हसन, एडवोकेट मनोज भाटी, एडवोकेट श्याम सुंदर सैनी, एडवोकेट दीपक स्वामी, आरिफ रिसालदार, अकरम खान अल्फखानी, सुलेमान मणीयार, बाबू खां, बाबू खां रिसालदार, मुस्ताक खान, अब्बास मण्डावरिया, समीर सुल्तान, समीर आमू, सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संविधान निर्माता बाबा साहब अम्बेडकर की जयंती पर किया स्वागत

बारां, (रॉयल पत्रिका)। संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर सोमवार 14 अप्रैल 2025 को एसटी, एससी, ओबीसी अधिकारी कर्मचारी महासंघ के तरफ से विशाल जुलूस निकाला गया। जुलूस श्रीराम स्टेडियम से शुरू हुआ। जो चारमूर्ति, कोटा रोड़, मंडी रोड़, धर्मादा चौराहा, प्रताप चौक होते हुए अम्बेडकर सर्किल पर समाप्त हुआ। जुलूस का जगह - जगह फूल बरसाकर स्वागत किया गया। धर्मादा चौराहे पर अखिल भारत अनुसूचित जाति परिषद बारां द्वारा भी जुलूस का झंकार म्यूजिक सेंटर पर फूल

बरसाकर स्वागत किया गया। इस दौरान परिषद के जिलाध्यक्ष बाबूलाल मेघवाल, जिला परिषद सदस्य जगदीश मेघवाल, बद्रीप्रसाद मेघवाल, इकबाल नेता, मदनलाल जाजोरिया, महेंद्र मेघवाल, मुबारिक हुसैन, अब्दुल खालिक उर्फ पप्पू नेता, सुरेन्द्र विमल, सीताराम मेघवाल, रामगोपाल मीणा, अरशद नेता, रामगोपाल मेघवाल आदि उपस्थित रहे।

बाल विवाह की रोकथाम को लेकर जिला कलक्टर ने अधिकरियों को दिए आवश्यक निर्देश

-बाल विवाह एवं रोकथाम पोस्टर का किया विमोचन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के निर्देशों के अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम को लेकर जिला कलक्टर एल एन मंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। साथ ही उन्होंने बाल विवाह रोकथाम पोस्टर का विमोचन किया। जिला कलक्टर एलएन मंत्री ने बाल विवाह रोकथाम के लिए विभागीय अधिकारियों व अधीनस्थ कार्मिको को सतर्क रहते हुए सख्त कार्यवाही के निर्देश दिए। उन्होंने ग्राम व तहसील स्तर पर पदस्थापित विभिन्न विभाग के अधिकारी कर्मचारी विशेष रूप से पटवारी, भू-अभिलेख निरीक्षक, ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम सेवक, ए.एन.एम. जी.एन.एम. आंगनवाडी कार्यकर्ताओं को भी पाबन्द करें। उन्होंने शिक्षा विभाग को जागरूकता रैली निकालने एवं बच्चों को प्रार्थना सभा मे बाल विवाह रोकथाम के संबंध में जानकारी देने के निर्देश दिए। साथ ही चिकित्सा, पंचायती राज, महिला अधिकारिता, पुलिस एवं अन्य विभागों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अनुसार कम उम्र के विवाह करना गैर-जमानती अपराध घोषित किया गया है। उन्होंने बाल विवाह रोकथाम के लिए राजकीय अधिकारी व कार्मिको एवं सभी का दायित्व बनता है। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग अश्विन के पंवार ने बताया कि बाल विवाह में शामिल होने वाले रिश्तेदारों, बाल विवाह में शामिल होने वाले बारातियों, विवाह में भोजन बनाने वाले हलवाईयों, बाल विवाह में टैण्ट, शामियाना लगाने वालों, विवाह करवाने वाले पण्डित, बाल विवाह में शामिल होने वाले बैण्ड-बाजे, साउण्ड वालों, फोटोग्राफर एवं निमंत्रण पत्र छापने वालों पर 2 वर्ष की सजा एवं कड़ा जुर्माना लगाया जाना है। यदि किसी बच्चे का जबरदस्ती बाल-विवाह किया जा रहा है तो उसकी सूचना चाइल्ड हैल्प लाईन नम्बर 1098 पर देवें। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, उपखण्ड अधिकारी विमलेंद्र राणावत, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज, तहसीलदार जितेंद्र बबेरवाल समेत जिलास्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

महान समाज सुधारक व नारी उद्धारक महात्मा ज्योतिबा फूले की जयंती मनाई

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। अम्बेडकर सेवा समिति एवं अन्य संगठनों के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले की 198वीं जयंती मनाई गयी। अम्बेडकर सेवा समिति के महासचिव कानाराम पारिक ने बताया कि इस अवसर पर सांचौर शहर के अम्बेडकर चौराहा स्थित महामानव महात्मा ज्योतिबा फूले की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तथा उपस्थित महानुभावों द्वारा उनके मानव हित में किए गये कार्यों व नारी शिक्षा के लिए उठाए गए कदमों के बारे में प्रकाश डाला। उसके बाद विचार संगोष्ठी का आयोजन मेघवाल समाज धर्मशाला में हुआ। इस दौरान भंते सिद्धार्थवर्धन, हिन्दसिंह दूठवा प्रधान प्रतिनिधि चितलवाना, अमराराम माली अध्यक्ष माली समाज, नरेश पातलिया अध्यक्ष

अम्बेडकर सेवा समिति, जवाराराम गौयल अध्यक्ष मेघवाल युवा परिषद, नेमीचंद खोरवाल पूर्व अध्यक्ष समिति, केवलाराम परमार पूर्व अध्यक्ष समिति, केशाराम मेहरा, रमेश कुमार बोस ठेकेदार, घेवर बौद्ध अध्यक्ष बौद्ध महासभा, गेनाराम बांदड़ा अध्यक्ष बामसेफ, रमेश कुमार परमार पंचायत समिति सदस्य, बलवंताराम ठेकेदार, शांतिलाल नागवंशी, एडवोकेट राजेन्द्र हिंगड़ा, प्रकाश जीनगर, लक्ष्मण माली, शंकरलाल माली, रमेश कुमार खानवत, पोपटलाल धोरावत, जयकुष्ण मेघवंशी, पीराराम माली, अमराराम पहाड़पुरा, चंपालाल खानवत, श्रवण कुमार गौयल, प्रकाश पांचल, सांवलाराम खीचीं, कमलकुमार भट, हिम्मताराम, वीराराम आदि विद्यार्थी एवं सैकड़ों गणमान्य जन उपस्थित रहे।

विश्व होम्योपैथिक दिवस मनाया, परामर्श व उपचार शिविर आयोजित

सांचौर, (रॉयल पत्रिका)। विश्व होम्योपैथिक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ होम्योपैथिक विशेषज्ञ डॉ. ओमप्रकाश सोलंकी के द्वारा होम्योपैथी के जानकार डॉक्टर हैनीमैन सर की जीवनी पर प्रकाश डाला। साथ ही होम्योपैथी एक प्राकृतिक पैथी है इसके प्रचार-प्रसार के लिए लोगों में जागरूकता लाने के तहत मानव के जीवन में होम्योपैथी की उपयोगीता के बारे में बताया एवं समस्त होम्योपैथिक चिकित्सकों ने एक दूसरों को बधाई देकर शुभकामनाएं व्यक्ति और यह चिकित्सा पद्धति हानि रहित है जिसका कोई दुष्प्रभाव नहीं है एवं यह बडे वृद्ध महिला पुरूष बच्चे सभी ले सकते है एवं अपने रोग एवं रोग की जड़ को समूल

नष्ट करके निजात पा सकते है। शिवम होम्योपैथिक क्लीनिक पर निशुल्क परामर्श व उपचार शिविर रखा। जिसमें बड़ी सख्या में लोगों ने इसका लाभ उठाया एवं साथी ही नशे के भंयकर दुष्परिणाम के बारे में भी जानकारी दी। क्षेत्रवासियों से यह भी अपील की समाज का कोई भी वर्ग नशे से दुर रहे क्योकि नशा की लत एक ऐसी बीमारी है जो ऐसे गर्त में धकेल देती है कि वापस उसमें से निकलना बड़ा मुश्किल है और इसकी लत लगने के बाद इसका कोई यू टर्न नहीं है इसलिए नवयुवकों को नशा मुक्त जीवन जीने की अपील की एवं राष्ट्र को भी नशा मुक्त बनाने में सकारात्मक योगदान देने की अपील की।

परिंडा अभियान के गायन का जिला कलक्टर एल एन मंत्री ने किया विमोचन

पाली, (रॉयल पत्रिका)। पाली के परिंदों के लिए परिंडा अभियान को आमजन को जागृत करने के लिए अशोक चौहान अध्यापक के द्वारा रचित गायन को बुधवार को जिला कलक्टर लक्ष्मीनारायण मंत्री द्वारा विमोचन किया गया। उन्होंने कहा कि आमजन को पर्यावरण एवं प्राकृतिक एवं परिंदों के प्रति संवेदनशील बना कर जागृत किया जाए क्योंकि इस गर्मी के दिनों में परिंदों को पानी की बहुत ही किल्लत होती है ताकि ज्यादा से ज्यादा आमजन को जाकर कर लुप्त हो रहे परिंदों को संरक्षण प्रदान किया जा सके एवं तपती गर्मी में इनको पानी के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़े। सहायक निदेशक सोहनलाल भाटी ने बताया कि जैसा की विदित है कि जिला कलेक्टर इस परिंडा अभियान के मार्ग पर पाली जिले में 40000 परिंडे लगाने का कार्य 7 अप्रैल 2025 से प्रारंभ कर दिया गया है एवं आने वाले दिनों में इस लक्ष्य को जल्दी किया जाएगा। जिला कलेक्टर के इस अभियान को सामाजिक संस्थाएं एवं पाली जिले के समाजसेवी का भी पुरजोर समर्थन मिल रहा है। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंग सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद मुकेश चौधरी एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीलिंग आश्विन के पंवार मौजूद रहे।

पश्चिमी राजस्थान के दो प्रमुख धर्म गुरुओं के सानिध्य में आयोजित हुआ आईएफडब्ल्यूजे का जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन

-लग्जरी होटल सूर्यागढ में बड़ी संख्या में स्थानीय पत्रकारों ने भाग लेकर जताया संगठित भाव के महत्व को।

जैसलमेर। पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे की जैसलमेर जिला ईकाई द्वारा आज शनिवार शाम को जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन दो धर्म गुरुओं के सानिध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मां सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। सनातन संस्कृति के धर्म ध्वज वाहक गजरूप सागर मठ के मठाधीश संत शिरोमणि बाल भारती महाराज और सिंधी मुस्लिम समाज के धर्म गुरु एवं पूर्व केबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़, संगठन के प्रदेश सचिव और जोधपुर संभाग प्रभारी विक्रमसिंह करनोत, पूर्व प्रधान अमरदीन, जैसलमेर वृताधिकारी रूपसिंह इंदा, कांग्रेस जिला अध्यक्ष उम्मेद सिंह तंवर, समाजसेवी देरावर सिंह भाटी, मयंक भाटिया, भीमसिंह मौकला ने बतौर विशिष्ठ अतिथि के रूप शिरकत की। पत्रकारों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए संत शिरोमणि बाल भारती महाराज ने कहा कि समाज को दिशा देने के लिए पत्रकार अपनी महत्ती भूमिका अदा करते हैं। बाल भारती महाराज ने पत्रकारों को इस पुनीत सेवा कार्य हेतु साधुवाद और आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केबिनेट मंत्री और मुस्लिम धर्म गुरू सालेह मोहम्मद ने कहा कि पत्रकार इस

देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने में हमेशा कार्य करते हैं। पत्रकार सुरक्षा कानून से लेकर पत्रकारों की सभी समस्याओं पर आज आप चिंतन करने के लिए यहां पधारे हैं, और मैं आशा करता हूं कि सरकार आपकी वाजिब मांगों को मानने में हिचकिचाहट नहीं करेगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज हम विपक्ष में हैं लेकिन पत्रकारों के हितों को लेकर जहां भी जरूरत होगी मैं तत्पर रहूंगा। इस सम्मेलन में बतौर विशिष्ठ अतिथि के रूप में अपेक्षित शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने अपने टेलीफोनिक उद्बोधन के द्वारा पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि व्यक्तिगत कारणों से आज कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो पाया, पर मैं इस कार्यक्रम को मिस नहीं करना चाहता इसलिए टेलीफोन के जरिए अपनी बात रख रहा हूं। भाटी ने कहा कि पत्रकार संगठन आईएफडब्ल्यूजे पत्रकारों के हितों को लेकर जिन मुद्दों पर सरकार से लड़ाई लड़ रहा हैं, उस लड़ाई में मैं स्वयं पत्रकारों के साथ हूं। और संगठन की मांगो को विधानसभा में उठाकर पत्रकारों के लिए जो कुछ संभव होगा करने की कोशिश करुंगा। सम्मेलन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राठौड़ ने जैसलमेर जिला ईकाई को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि संगठन पत्रकारों के लिए हमेशा तत्परता के साथ खड़ा हैं। पत्रकारों के हितों को लेकर पत्रकार सुरक्षा कानून की बात हो या फिर अधिस्वीकरण की बात, संगठन लंबे समय से अपनी 13 सूत्री मांगों को लेकर संघर्षरत हैं। संगठन आप सभी से अपेक्षा करता हैं कि आप अपने हितों की लड़ाई में संगठन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करें।

समाजसेवी मास्टर अब्दुल हई शमीम का इंतेकाल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। शहर की जानी-पहचानी शख़्सियत, जामा मस्जिद जयपुर के पूर्व सचिव जनाब अब्दुल हई शमीम साहब (मास्टर साहब) का 14 अप्रैल सुबह फ़ज्र के वक़्त इंतकाल हो गया। वो एक मुनज़्ज़म शख़्स थे जो तालीम, दीन और समाजी ख़िदमात के लिए हमेशा याद रखे जाएंगे। इस मौके पर परिवार के लोगों डॉ. मुजाहिद सलीम, तारिक सलीम और ग़ाज़ी सलीम ने तमाम

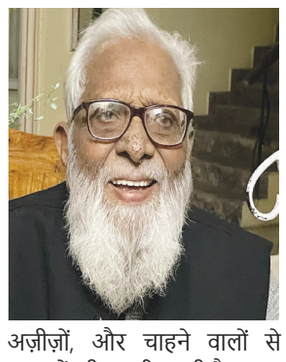

अज़ीज़ों, और चाहने वालों से दुआओं की गुज़ारिश की है।

संस्कृत में पीएचडी प्राप्त कर रेशमा कुमारी ने दी एकता की मिसाल

आगरा। भाषा और साहित्य को धर्म या जाति की सीमाओं में नहीं बांधा जा सकता, यह कहना है रेशमा कुमारी उर्फ फातिमा का, जिन्होंने संस्कृत में पी-एच. डी. करके समाज को एकता एवं सद्भाव का संदेश दिया है। उत्तर प्रदेश के आगरा जिले की रेशमा कुमारी को दयालबाग शिक्षण संस्थान, आगरा के 43वें दीक्षांत समारोह में 25 मार्च 2025 को डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई है।

उनका शोध विषय था— "डॉ. प्रशस्य मित्र शास्त्री की कृतियों में युगीन संदर्भ"। धर्म और भाषा के विवाद पर उन्होंने कहा—"धर्म को मानवता के विकास के रूप में देखना चाहिए, न कि विभाजन के लिए। मैंने कुरान और गीता दोनों का अध्ययन किया है, मेरा मानना है कि भाषा जोड़ने का माध्यम होनी चाहिए, न कि अलगाव का।

अपनी सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता और ससुराली जनों को, विशेष रूप से पति मोहम्मद यूनिश को दिया। उनका समाज को संदेश है कि ग्रन्थ, भाषा और साहित्य पर सबका समान अधिकार होना चाहिए। मल्टीडिसीपिनरी शोध को बढ़ाव देने की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि इस तरह के शोध भविष्य में ज्ञान के सर्वतोमुखी विकास के साथ साथ सांप्रदायिक एकता को भी बढ़ावा देंगे।

कायमखानी छात्रावास में उम्मेद खान डीडवाना के लिए मगफिरत की दुआ

चूरू, (रॉयल पत्रिका) राजस्थान कायमखानी महासभा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष मरहूम उम्मेद खान मलवान डीडवाना के लिए चूरू स्थित राजस्थान कायमखानी छात्रावास में मगफिरत की दुआ की गई। उम्मेद खान साहब का इंतकाल चार दिन पहले हुआ था। इस मौके पर समाज के कई जिम्मेदार लोगों ने शिरकत की और मरहूम को खिराज-ए-अक़ीदत पेश किया। दुआ से पहले कायमखानी महासभा जिला अध्यक्ष मुंशी खान चांदखानी ने कहा कि उम्मेद खान डीडवाना का समाज के लिए बहुत बड़ा योगदान रहा है। उन्होंने महासभा जैसी संस्थाओं के ज़रिए समाज को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उम्मेद खान साहब जैसे नेक दिल इंसान का दुनिया से जाना बहुत बड़ा नुकसान है। हम अल्लाह से दुआ करते हैं कि उन्हें जन्नतुल फिरदौस में आला मुकाम अता हो।

करामत खान ने कुरआन की आयतें पढ़ीं और मगफिरत की दुआ करवाई। इस मौके पर

रमजान खान जौईया, जब्बार खान अल्फखानी, जाकिर खान केके, गफ्फार खान ऐलमान, इकबाल खान कबीरखानी, जावेद खान एडवोकेट, अजीज खान दिलावरखानी, अख्तर खान रूकनखानी, शकील दुर्रानी, जाफर खान, आदिल खान ऐलमान, महबूब खान नसवाण, भंवरू खान ठेकेदार, यूसुफ खान, महमूद खान केके ऐलमान, आरिफ खान प्रिंसिपल ऐलमान, सबीर खान अगुणा मोहल्ला, साबिर खान केके, अहसान खान समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर मुंशी खान ने अपनी अवस्था का हवाला देते हुए जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी किसी और को सौंपने की बात कही। लेकिन वहां मौजूद समाज के तमाम जिम्मेदार लोगों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक प्रदेश स्तर पर संवैधानिक चुनाव की प्रक्रिया तय नहीं होती, तब तक मुंशी खान ही इस जिम्मेदारी को निभाते रहेंगे। क्योंकि उन्होंने हमेशा समाज के हर मौके पर अपनी सक्रिय भूमिका निभाई है और सेवा करते रहे हैं।गर्मी को देखते हुए इस मौके पर कायमखानी छात्रावास चूरू में पक्षियों के लिए परिंडे भी लगाए गए।

हिंदू-मुस्लिम दोस्त एक साथ कर रहे बेटों की शादी, एक तरफ निकाह, दूसरी ओर होंगे सात फेरे

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के कोटा शहर में दो परिवारों ने ऐसी मिसाल कायम की है, जो देश की गंगा-जमुनी तहज़ीब और सामाजिक सौहार्द की जीवंत तस्वीर पेश करती है। जनकपुरी इलाके में रहने वाले अब्दुल रऊफ अंसारी और विश्वजीत चक्रवर्ती ने अपने बेटों की शादी को एक साथ आयोजित करने का फैसला किया। इस अनोखे जश्न की सबसे खास बात रही कि दोनों परिवारों ने एक ही निमंत्रण पत्र छपवाया, जिसमें एक तरफ निकाह और दूसरी तरफ हिंदू विवाह का न्योता था। हिंदी और उर्दू के सुंदर समन्वय से सजा यह कार्ड देखने में जितना अनूठा है, उतना ही दोस्ती का प्रतीक भी।

40 साल पुरानी दोस्ती का नायाब नमूना

यह कहानी कोई नई नहीं है। करीब 40 साल पहले स्टेशन इलाके की मस्जिद गली में अब्दुल रऊफ और विश्वजीत पड़ोसी थे। यहीं से उनकी दोस्ती की नींव पड़ी, जो समय के साथ इतनी गहरी हो गई कि दोनों ने मिलकर प्रॉपर्टी डीलिंग का कारोबार शुरू किया। बाद में जनकपुरी माला रोड पर पास-पास मकान बनाए और दोनों परिवार एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होने लगे। अब जब उनके बेटों—युनूस परवेज अंसारी और सौरभ चक्रवर्ती—की शादी का समय आया, तो दोनों ने तय किया कि इस खुशी को भी मिलकर मनाएंगे।

जश्न-ए-निकाह और पाणिग्रहण का संगम

अंसारी और चक्रवर्ती परिवारों में इन दिनों उत्साह का माहौल है। युनूस परवेज अंसारी, जो अब्दुल रऊफ और अजीज़न अंसारी के बेटे तथा मरहूमा ज़ैनब और मरहूम अब्दुल गफूर अंसारी के पोते हैं, का निकाह 17 अप्रैल 2025 को फरहीन अंसारी के साथ होगा। फरहीन राबिया बी और मरहूम कमरूद्दीन अंसारी की पोती हैं। निकाह की रस्में बोरखेड़ा के एक रिसॉर्ट में ईशा की नमाज के बाद संपन्न होंगी। वहीं, 18 अप्रैल को सौरभ चक्रवर्ती (रिकूं), जो विश्वजीत और मधु चक्रवर्ती के बेटे तथा स्व. मंजुला और स्व. रविन्द्र नाथ चक्रवर्ती के पोते हैं, श्रेष्ठा राय के साथ हिंदू रीति-रिवाज से सात फेरे लेंगे। बारात स्टेशन रोड के मैरिज गार्डन पहुंचेगी और मध्यरात्रि में फेरे होंगे। इसके बाद 19 अप्रैल को दोनों परिवार मिलकर काला तालाब के एक रिसॉर्ट में 'दावत-ए-खुशी' नाम से साझा रिसेप्शन आयोजित करेंगे।

खास बात यह है कि निमंत्रण पत्र में स्वागतकर्ताओं के नाम भी क्रॉस लिस्टेड हैं। युनूस के निकाह में विश्वजीत और मधु चक्रवर्ती मेहमानों का स्वागत करेंगे, जबकि सौरभ के विवाह में अब्दुल रऊफ और अजीज़न अंसारी यह जिम्मेदारी निभाएंगे। सौरभ चक्रवर्ती बताते हैं कि उनका परिवार मूल रूप से बंगाल का है, लेकिन कई पीढ़ियों से कोटा में बसा है। वे मेडिसिन डिस्ट्रीब्यूशन का व्यवसाय करते हैं, जबकि युनूस आईटी सेक्टर में कार्यरत हैं। सौरभ कहते हैं, "जब शादी की बात चली, तो हमने तय किया कि दोनों परिवार मिलकर आयोजन करेंगे, ताकि रिश्तेदार भी इस खुशी में शरीक हो सकें।"

युनूस का कहना है कि इस आयोजन ने उनके रिश्ते को और मजबूत किया है। यह शादी सिर्फ दो परिवारों का मिलन नहीं, बल्कि एक बड़ा सामाजिक संदेश भी है। यह दर्शाता है कि जब दिल मिलते हैं, तो मजहब की दीवारें अपने आप ढह जाती हैं। कोटा से उभरी इस मिसाल ने साबित किया कि हिंदुस्तान की असली ताकत उसकी विविधता में एकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण -आमजन को मिली राहत

-मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को उनकी परिवेदनाओं के निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार सुशासन के उच्च मापदंडो के अनुरूप प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं एवं सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जन आकांक्षाओं की पूर्ति और उनकी परिवेदनाओं का त्वरित निस्तारण ही हमारे सुराज संकल्प का केन्द्र बिंदु है। इस दौरान उन्होंने जयपुर विकास प्राधिकरण,

नगर निगम, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनरेगा, ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याएं सुनी तथा उनका मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित रहे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्नाखान के लिए श्रीराम ऑफसेट, 6-शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड़, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312, मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाडा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित।
संपादक : मुन्नाखान मो. 9772552446 कार्यालय फोन - 0141-4982834 Gmail : royalpatrika@gmail.com Yahoo : royal_patrika@yahoo.com